www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
27 अगस्त 2026
वर्षः 49
अंकः 114 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

तेलंगाना में बस और ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

● इनमें 5 महिलाएं,12 घायल,ट्रक में रखे लोहे के पिलर बस में घुसे

सूर्यापेट (एजेंसी)। तेलंगाना के सूर्यापेट जिले में बुधवार सुबह एक इलेक्ट्रिक बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 5 महिलाएं हैं। वहीं 12 लोग घायल हैं। बस में 43 यात्री सवार थे और यह हैदराबाद से आंध्रप्रदेश के एलुरु जा रही थी।

हादसा सुबह करीब 5.15 बजे हैदराबाद-विजयवाड़ा नेशनल हाईवे पर कोडाड मंडल में हुआ। पुलिस ने बताया कि ट्रक में लोहे के भारी पिलर लदे थे। बस के ट्रक से टकराते ही पिलर को बांधकर रखने वाली चेन टूट गई। इसके बाद पिलर बस की दाईं तरफ जा घुसे। पुलिस के मुताबिक, बस के आगे बैठे लोगों की इसी वजह से मौत हुई। हादसे की वजह तेज रफ्तार होने की आशंका जताई है। बस की टक्कर से पहले ट्रक के सड़क के डिवाइडर से टकराने की भी आशंका है। पुलिस ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर है।

हाथ में प्लास्टर, साथ में पत्नी हरसिमरत कौर

● नांदेड साहिब हमले के 12 दिन बाद फिर मैदान में उतरे सुखबीर बादल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हाथ में प्लास्टर, साथ में पत्नी हरसिमरत कौर बादल और सामने बड़ी संख्या में समर्थक। नांदेड साहिब के गुरुद्वारे में हुए हमले के 12 दिन बाद शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल एक बार फिर सार्वजनिक तौर पर मैदान में नजर आए। मंगलवार को उन्होंने तलवंडी साबो स्थित तख्त दमदमा साहिब में मत्था टेका और पंजाब की शांति, सांप्रदायिक सद्भाव और समृद्धि के लिए अरदास

की। इस दौरान उन्होंने कुछ ताकतों पर पंजाब की शांति भंग करने और सिख नेतृत्व को निशाना बनाने का आरोप लगाया। तख्त दमदमा साहिब पहुंचने के दौरान सुखबीर बादल के साथ उनकी पत्नी और बठिंडा की सांसद हरसिमरत कौर बादल के अलावा पार्टी के वरिष्ठ नेता बलविंदर सिंह भुंडर और दलजीत सिंह चीमा भी मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में अकाली दल के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी तख्त साहिब में जुटे। सुखबीर के हाथ पर अभी भी प्लास्टर बंधा हुआ था, लेकिन इसके बावजूद वह कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और उनका अभिवादन स्वीकार किया। सुखबीर बादल ने अपनी सुरक्षा के लिए ईश्वर का आभार जताते हुए कहा कि वह करीब 10 दिनों तक सार्वजनिक गतिविधियों से दूर रहे।

100 साल पूरे होने के मौके पर आरएसएस के बड़े आयोजन

भागवत अमेरिका में, 29 को मेडिसन स्क्वेयर में कार्यक्रम

न्यूयॉर्क मेयर ममदानी बोले-संघ की रैली को समर्थन नहीं

वाशिंगटन (एजेंसी)। आरएसएस चीफ मोहन भागवत मंगलवार को न्यूयॉर्क पहुंचे। यह उनके 17 दिन के तीन देशों के दौरे का पहला पड़ाव है। न्यूयॉर्क के जेएफके एयरपोर्ट पर भारतीय महिलाओं ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया। भागवत का यह दौरा आरएसएस के शताब्दी वर्ष के ग्लोबल आउटरीच कार्यक्रम के तहत हो रहा है। आरएसएस के 100 साल पूरे होने के मौके पर देश-विदेश में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अमेरिका के बाद भागवत कनाडा और ब्रिटेन जाएंगे। संघ के मुताबिक, इस दौरान वह भारतीय मूल के लोगों और स्थानीय संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। भागवत 29 अगस्त को न्यूयॉर्क के मेडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस' कार्यक्रम में शामिल होंगे। न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने भागवत के दौरे को लेकर कहा कि मैं संघ के कार्यक्रम का समर्थन नहीं करता। बांटने वाली विचारधारा का विरोध करता हूं।

अमेरिकी आयोग ने संघ पर बैन की मांग की थी

भागवत के अमेरिका दौरे से पहले अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने आरएसएस पर बैन लगाने की मांग की है। आयोग ने 19 अगस्त को अमेरिकी सरकार से संघ नेताओं को हाई लेवल राजनयिक सुविधाएं नहीं देने और उनसे आधिकारिक मुलाकात नहीं करने की अपील भी की। भारत ने आयोग की इन टिप्पणियों पर आपत्ति जताई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 20 अगस्त को आयोग को 'पक्षपाती संस्था' बताया था।

मेडिसन स्क्वायर में भारतीयों को संबोधित करेंगे भागवत

मेडिसन स्क्वायर गार्डन में 'यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन' कार्यक्रम का आयोजन अमेरिकन हिंदूज फॉर एंगेजमेंट एंड डायलॉग फोरम कर रहा है। कार्यक्रम में भागवत का संबोधन भी होगा। यह कार्यक्रम रक्षाबंधन के मौके पर आयोजित किया जा रहा है। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम में रक्षाबंधन की पारंपरिक भावना को एकता, नागरिक जिम्मेदारी और वैश्विक सद्भाव के संदेश से जोड़ा जाएगा। इसमें सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी होंगी। अलग-अलग धर्मों और समुदायों से जुड़े लोग भी शामिल होंगे। भागवत के कार्यक्रम से पहले न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि वह संघ की इस रैली का समर्थन नहीं करते। जब ममदानी से पूछा गया कि क्या संघ का कार्यक्रम रद्द किया जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि किसी निजी कार्यक्रम को रद्द करने का अधिकार शहर के पास है या नहीं। ममदानी ने कहा- मैं न्यूयॉर्क का पहला भारतीय-अमेरिकी मेयर हूं।

प्रदेश में स्वाइन फ्लू के तीन नए मरीज मिले

संख्या 52 हुई

देहरादून। प्रदेश में स्वाइन फ्लू (इंफ्लुएंजा एच1एन1) के तीन और नए मामले सामने आए हैं। अब संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 52 हो गई है। 16 मरीज अभी सक्रिय है। इन मरीजों का अलग-अलग अस्पतालों में उपचार चल रहा है।

उत्तराखंड में स्वाइन फ्लू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बुधवार को तीन नए मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। उधर स्वास्थ्य विभाग इसकी रोकथाम के लिए युद्ध स्तर पर जुटा हुआ है। हर जिले रैपिड रिस्पॉन्स टीम को भी सक्रिय कर दिया गया है। इसके अलावा सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में इसके लिए बेड भी आरक्षित किए गए हैं।

इसकी श्रृंखला को तोड़ने के लिए हर स्तर पर तैयारी की जा रही

है। अब तक सामने आए कुल 52 मरीजों में 35 देहरादून के हैं। नए मामलों में भी एक देहरादून का है अन्य दो दूसरे जिले के हैं। पर स्वास्थ्य सचिव विनय शंकर पांडेय का कहना है कि प्रदेश के सभी जिलों के सीएमओ को इसकी तैयारी पूरी रखने के निर्देश दिए गए हैं। शासन की ओर से इसकी रोकथाम के लिए एडवाइजरी भी जारी की गई है।

देश कोई धर्मशाला नहीं कि हर कोई बस जाए

शाह बोले-यहां रहने का अधिकार सिर्फ अपने नागरिकों को

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है। यहां रहने का अधिकार केवल नागरिकों को है। घुसपैठिए देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकीय बदलाव के लिए खतरा हैं। हमारा लक्ष्य देश को इन घुसपैठियों से मुक्त करना है। शाह ने इंटेलीजेंस ब्यूरो की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज कॉन्फ्रेंस में कहा कि उन्होंने पिछले आठ महीनों में सभी बॉर्डर स्टेट का दौरा किया है। उन्होंने इन राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा की रणनीति से जुड़ा दस्तावेज भी साझा किया। शाह ने आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने और उसके 360 डिग्री नेटवर्क को तोड़ने के लिए सुरक्षा रणनीति को रोज की कार्रवाई में उतारने की बात कही।

● घुसपैठिए भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा

सात साल में 274 भगोड़े विदेश से लाए गए

2019 से 2026 के बीच करीब 274 भगोड़ों को विदेश से वापस लाया गया है। सभी राज्य लक्ष्य तय करें कि विदेश में बैठे भगोड़ों को देश के कानून के दायरे में लाया जाए। मोदी सरकार ने मल्टी एजेंसी सेंटर को भी अपग्रेड किया है, ताकि यह कई स्तरों पर नतीजे देने वाला प्लेटफॉर्म बन सके। एक साल में तीनों नए कानून 100 फीसदी लागू होंगे। इससे आपराधिक मामलों का निपटारा सुप्रीम कोर्ट तक तीन साल में हो सकेगा और सजा की दर 25 फीसदी बढ़ेगी।

डैम ओवरफ्लो, पुल डूबा अस्पताल में भरा पानी

● भारी बारिश से यूपी और बिहार में बिगड़े हालात

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। चंदौली में मूसाखांड और लतीफशाह बांध ओवरफ्लो हो गए हैं, जिसके बाद उनके गेट खोल दिए गए हैं। लखीमपुर में शारदा नदी पर बने तमोलिन पुरवा बांध का एक हिस्सा कट गया। वहीं, महोबा के जिला अस्पताल में पानी भर गया और इमरजेंसी वार्ड की छत से पानी टपकने लगा। बिहार के बेगूसराय में गंगा उफान पर है।

नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। 50 हजार से ज्यादा लोग बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं। मौसम विभाग ने 21 जिलों में बारिश की संभावना जताई है। मध्य प्रदेश में पूर्वी हिस्से के बाद अब उत्तरी, पश्चिमी और मध्य हिस्सों में मानसून ऐक्टिव होगा। मौसम विभाग ने अगले 2 दिनों तक भोपाल, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और चंबल संभाग के 21 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

नेपाल में बाढ़ से तबाही, बिहार में हाईअलर्ट

चीन के तिब्बत से आई अचानक बाढ़ ने नेपाल के रसुवा जिले में भारी तबाही मचाई है। भोटेकोशी नदी का पानी अचानक बढ़ने से टिमुरे और स्याब्रुबेसी इलाके के कई घरों, बाजारों और दूसरी संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है। इसमें कई लोगों के बहने की भी खबर है। जिससे कई गांव और जलविद्युत परियोजनाएं बह गई हैं। नेपाल में बाढ़ की वजह से बिहार में हाईअलर्ट जारी किया गया है।

पंजाब में अकालियों से गठजोड़ फाइनल, होगा खेला

● बीजेपी बिग ब्रदर बनेगी,70+और 40+का फॉर्मूला तैयार ● दिल्ली से भेजा मैसेज-एसएडी के खिलाफ कुछ न बोलें

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के चुनाव के लिए शिरोमणी अकाली दल (बादल) और भाजपा के बीच गठबंधन लगभग फाइनल हो चुका है। इस बार भाजपा 'बिग ब्रदर' यानी सीनियर पार्टनर की भूमिका में आने की तैयारी कर रही है। इसके लिए भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के आंकड़ों को आधार बनाया है। भाजपा 70+ सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। अकालियों को 40+ सीटें मिल सकती है। लगातार 10 साल से सत्ता से बाहर होने की वजह से मजबूरी में अकाली दल ने ग्रामीण क्षेत्रों की सभी सीटों

पर भी दावेदारी छोड़ दी है। इसी रणनीति के तहत भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष ने पंजाब का दो दिवसीय दौरा कर लुधियाना, जालंधर, अमृतसर, पटियाला और बठिंडा में नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बंद कमरे में बैठकें कीं। उन्होंने नेताओं को साफ कर दिया है कि गठबंधन पर फैसला होने तक नेता सार्वजनिक तौर पर सिर्फ '117 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी' वाली लाइन बोलते रहें। दिल्ली से ये भी मैसेज है कि अकालियों के खिलाफ बयानबाजी नहीं करनी है। वहीं दूसरे दलों व खासकर, कांग्रेस से आए नेताओं को बड़े पद देने के बाद पैदा हुई अंदरूनी गुटबाजी दूर करने के लिए संतोष ने नेताओं को समझाया। उन्होंने कहा कि इन नेताओं को घर की 'नई बहू' समझें और परिवार का हिस्सा मानकर नई बहू की तरह सम्मान दें।

सिर्फ 117 सीटों की एक लाइन याद रखें

गठबंधन को लेकर जारी चर्चाओं के बीच बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने पंजाब इकाई के तमाम छोटे-बड़े नेताओं को एक सख्त और स्पष्ट संदेश दिया है। पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व की ओर से नेताओं को निर्देश दिया गया है कि जब तक गठबंधन का कोई आधिकारिक फैसला सार्वजनिक नहीं होता, तब तक कोई भी नेता गठबंधन की संभावनाओं पर स्वतंत्र बयानबाजी नहीं करेगा। चाहे मीडिया का सवाल हो या सार्वजनिक मंच, सभी नेताओं को केवल एक ही आधिकारिक स्टैंड दोहराना है- भाजपा पंजाब की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी कर रही है और अपने दम पर सरकार बनाएगी। हाल ही में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी पंजाब दौरे के दौरान वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक में यही बात दोहराई थी।

'फ्री' बस से लेकर 'कैश' पेमेंट तक की सुविधा

● रक्षा बंधन पर 'बहनों' पर मेहरबान हुई राज्य सरकारें ● दिल्ली,यूपी, बिहार,मध्य प्रदेश से बड़े-बड़े ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश और यूपी से लेकर उत्तराखंड तक रक्षा बंधन पर राज्य सरकारों ने महिलाओं के लिए तोहफों झड़ी लगा दी है। कई राज्यों ने दो दिनों तक 'बहनों' के लिए रोडवेज बस में सफर एकदम फ्री कर दिया है। कुछ राज्यों ने तो इससे आगे बढ़कर महिलाओं के साथ एक अटेंडर भी मुफ्त रखने की सुविधा दी है। इतना ही नहीं कई राज्य नकद पैसे भी सीधी बहनों के खाते में डाल रहे हैं और ये रकम 250 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक है।

बिहार में बस फ्री, डाक भेजने पर छूट- बिहार में रक्षा बंधन पर बहनों के लिए दो दिन तक बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की बसों में सफर फ्री रखा गया है। बिहार सरकार की तरफ से 27 अगस्त की सुबह 6 बजे से लेकर 28 अगस्त की रात 10 बजे तक इसे लागू किया गया है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सभी बसों में

दिल्ली में लक्ष्मी योजना की शुरुआत

रेखा गुप्ता सरकार ने रक्षा बंधन पर अपनी मासिक दिल्ली लक्ष्मी योजना शुरू करने का ऐलान किया है। योजना के तहत पात्र महिलाओं के खाते में हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। 26 अगस्त से इस योजना के अप्रूवल लेटर बंटने शुरू हो गए हैं।

यह सुविधा रहेगी। इसके अलावा रक्षा बंधन वाले दिन स्कूल-कॉलेजों के बाहर महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। बिहार से डाक के जरिए राखी भेजने पर 10 फीसदी छूट मिलेगी। यूपी की योगी सरकार ने भी रक्षा बंधन पर बहनों को फ्री बस का डबल तोहफा दिया है। इसके तहत 27 अगस्त की सुबह से 28 अगस्त की रात तक सरकारी बसों में महिलाओं का सफर फ्री रहेगा। ये सुविधा सभी महिलाओं के लिए रहेगी।

राजस्थान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तोहफा

राजस्थान की भजनलाल सरकार ने भी रक्षा बंधन पर महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा की सुविधा दी है। इसके तहत महिलाओं और बालिकाओं के लिए 27 अगस्त की रात 12 बजे से लेकर 29 अगस्त की रात 11.59 बजे तक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की बस में यात्रा फ्री कर दी गई है। इसके अलावा सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को रक्षा बंधन का गिफ्ट दिया है।

मध्य प्रदेश में 250 रुपए का शगुन अलग से

मध्य प्रदेश सरकार ने रक्षा बंधन पर बहनों को शगुन का तोहफा दिया है। इस महीने लाडली बहना योजना की राशि में महिलाओं को 250 रुपये अलग से शगुन के तौर पर भेजे गए हैं। हर महीने लाडली बहना योजना में 1500 रुपये की किश्त भेजी जाती थी, जिसमें 250 रुपये जुड़ने के बाद इस महीने 1750 रुपये भेजे गए हैं।

● चावल, चाय और दवा निर्यात पर मंडराया गहरा संकट

ईरान पर अमेरिका के बैन से भारत को बड़ा झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने के लिए नया अभियान शुरू किया है। अमेरिकी प्रशासन ने चेतावनी दी है कि ईरान के साथ कारोबार जारी रखने वाली विदेशी कंपनियों और देशों पर भी प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। उन्हें अमेरिकी वित्तीय व्यवस्था से बाहर किया जा सकता है। इसका असर भारत के ईरान को होने वाले निर्यात पर भी पड़ने की आशंका है।

भारत-ईरान व्यापार में भारी गिरावट

भारत ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में रहा है। दोनों देशों के बीच व्यापार पहले ही 2019 के बाद काफी कम हो चुका है। अमेरिका की ओर से 2019 में ईरानी तेल पर प्रतिबंधों में मिली छूट खत्म किए जाने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने अमेरिकी बाजार और वित्तीय प्रणाली तक अपनी पहुंच को जोखिम में डालने से बचने के लिए ईरान से कच्चे तेल का आयात लगभग बंद कर दिया था।

चावल निर्यात पर सबसे बड़ा खतरा

अमेरिका की नई कार्रवाई से भारतीय निर्यातकों की चिंता बढ़ गई है। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरान को भारत के चावल, चाय और दवाओं का कारोबार हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर दुबई के रास्ते होता रहा है। खास तौर पर बासमती चावल का निर्यात प्रभावित हो सकता है। भारत ने 2026 की पहली छमाही में ईरान को करीब 38.3 करोड़ डॉलर का चावल निर्यात किया है। भारतीय निर्यातकों के लिए समस्या इसलिए बढ़ सकती है क्योंकि इस कारोबार का बड़ा हिस्सा दुबई के जरिए होता है।

सरकार उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए निरंतर कर रही कार्य : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में पंचवटी फिल्म्स प्रोडक्शन एवं आदर्श औद्योगिक स्वायत्त सहकारिता (आदर्श संस्था) द्वारा मुख्यमंत्री के पांच वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों पर आधारित विशेष एल्बम गीत का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने एल्बम से जुड़े निर्माता-निर्देशक, गीतकार, संगीतकार, गायक एवं अन्य कलाकारों के साथ ही आदर्श संस्था के पदाधिकारियों को इस प्रयास के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड की विकास यात्रा और राज्य में हो रहे सकारात्मक बदलावों को गीत-संगीत के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने का यह प्रयास सराहनीय है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखण्ड के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने, पर्यटन को प्रोत्साहित करने, महिलाओं को सशक्त बनाने और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने की दिशा में विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और देवभूमि की विशिष्ट पहचान के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है।

इस अवसर पर आदर्श संस्था की अध्यक्ष आशा कोठारी ने मुख्यमंत्री को शॉल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में हुए विकास कार्यों तथा जनहित में लिए गए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णयों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने एल्बम के निर्माता उत्तम सिंह भंडारी, गायक विक्रम भंडारी एवं शिवानी नेगी, संगीतकार विजयपाल कलूड़ा सहित एल्बम से जुड़े कलाकारों को सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव हरीश कोठारी, युवा मोर्चा पछवादून के जिलाध्यक्ष विनायक नौटियाल, प्रदीप दुग्गल, विजय असवाल, शोभित उनियाल, गिरीश भट्ट, लक्ष्मी नारायण नवानी, आदित्य नौटियाल, सहदेव सिंह बिष्ट, सपना जवाड़ी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

एफआरएफ केंद्र की सुरक्षा को लेकर सभासद का अनशन जारी

उत्तरकाशी। तिलोथ में निर्माणाधीन एफआरएफ केंद्र की सुरक्षा और निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर नगर पालिका सभासद अमरीकन पुरी का आंदोलन तीसरे दिन भी जारी रहा। उन्होंने ईओ कार्यालय के बाहर धरना देते हुए मांगें पूरी होने तक अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी। ईओ कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे सभासद ने कहा कि पहली ही बरसात में करीब 60 लाख रुपये की लागत से बनी साइट डेवलपमेंट सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गई है। ऐसे में निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। उन्होंने क्षतिग्रस्त सुरक्षा दीवार की तकनीकी जांच कराने और जांच पूरी होने तक एफआरएफ केंद्र का निर्माण रोकने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में विरोध के बावजूद पालिका अधिकारियों ने निर्माण स्थल पर पर्याप्त निगरानी नहीं की।

खोखा व्यापारियों को परेशान करने का आरोप

ऋषिकेश। निगम क्षेत्र के खोखा व्यापारियों ने नगर निगम पर अनावश्यक रूप से परेशान करने का आरोप लगाते हुए विधायक प्रेमचंद अग्रवाल से हस्तक्षेप की मांग की है। खोखा व्यापारी एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने विधायक के कैंप कार्यालय पहुंचकर अपनी समस्याएं रखीं। व्यापारियों का कहना है कि उन्होंने प्रति खोखा ढाई लाख रुपये के हिसाब से नगर निगम में धनराशि जमा की है इसके बावजूद उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है।

बुधवार को बड़ी संख्या में खोखा व्यापारी स्थानीय विधायक प्रेमचंद अग्रवाल के कैंप कार्यालय पहुंचे। खोखा व्यापारी किशन मंडल, हीरालाल शर्मा, सोनू धीमान आदि ने कहा कि सभी औपचारिकताओं को पूर्ण करने के बाद उन्हें नगर निगम से खोखे आवंटित हुए हैं। फिर भी नगर निगम प्रशासन उन्हें बेवजह परेशान कर रहा है। विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने नगर आयुक्त से फोन पर वार्ता कर कहा कि छोटे व्यापारी अपनी रोजी-रोटी चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। ऐसे में उनका अनावश्यक उत्पीड़न नहीं होना चाहिए। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों से नियमानुसार व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने को कहा। साथ ही स्पष्ट किया कि छोटे व्यापारियों की आजीविका प्रभावित न हो, इसके लिए मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई की जाए।

प्रतिनिधिमंडल में सुरेश शर्मा, रिंकू प्रजापति, पुरुषोत्तम जोशी, पुरुषोत्तम कुड़ियाल, ओमप्रकाश बरमोला, दिलीप झा, गौरव धीमान, संदीप वर्मा, भूपेंद्र सिंह, कमल वर्मा, मांगेराम, कमलेश डेंटर, सुभाष गिरी, सुशील कुमार पेंटर और संदीप डेंटर सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

एक नजर

नौ मंजिला मंदिर के पास टूटी पहाड़ी

मसूरी, शहर में हुई बारिश के बीच स्प्रिंग रोड पर नौ मंजिला मंदिर के निकट अचानक भूस्खलन हो गया। मार्ग पर मलबा आ जाने के कारण मार्ग पर यातायात बाधित हो गया और स्थानीय लोगों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ा।

स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह ही मार्ग में मलबा आया था, जिसे अब तक नहीं हटाया गया है। मलबा सड़क पर आने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने और मार्ग को सुचारु कराने की मांग की है।

तीन हाईस्कूलों के उच्चीकरण की मिली मंजूरी

रुद्रप्रयाग। जिले के तीन राजकीय हाईस्कूलों को इंटरमीडिएट स्तर पर उच्चीकरण की शासन से मंजूरी मिल गई है। शासन के आदेश के अनुसार केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र के दो और रुद्रप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के एक विद्यालय को इंटर स्तर पर उच्चीकृत किया जाएगा।केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में राउमावि. बाड़व और शहीद राजेन्द्र सिंह राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कालीमठ को इंटर स्तर पर उच्चीकृत करने की स्वीकृति दी गई है। वहीं रुद्रप्रयाग विधानसभा क्षेत्र में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किरोड़ा का भी उच्चीकृरण किया जाएगा। शासनादेश में राज्य के विभिन्न जिलों के कुल 35 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को इंटर स्तर पर उच्चीकृत करने की स्वीकृति दी गई है। इनमें रुद्रप्रयाग के ये तीन विद्यालय शामिल हैं। इस फैसले से जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही इंटर स्तर तक की शिक्षा उपलब्ध होने का रास्ता साफ होगा।

मां काली की देवयात्रा ल्वारा गांव पहुंची

गुप्तकाशी। कालीमठ की भगवती काली मां की द्वितीय चरण की देवयात्रा चौथे दिन नाला गांव पहुंची और श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। बुधवार सुबह मां त्रिपुर सुंदरी ललिता के मंदिर में पूजा के बाद मां की देवयात्रा ने गांव के विभिन्न धार्मिक स्थलों और श्रद्धालुओं के घरों का भ्रमण किया। इस दौरान मां ललिता पब्लिक स्कूल, शिलोंजा माता मंदिर, त्रिशक्ति काली मंदिर, श्रीविद्याधाम मंदिर तथा सरस्वती विहार स्थित कारगिल शहीद गोविंद सिंह राणा के आवास पर श्रद्धालुओं ने मां काली के दर्शन किए। इसके बाद मां काली की डोली रात्रि प्रवास के लिए ल्वारा गांव पहुंचीं जहां ग्रामीणों ने मां का स्वागत किया। पंचगाई मंदिर समिति के अध्यक्ष लखपत राणा और महामंत्री आचार्य सुरेशानंद गौड़, कालीमठ के प्रधान प्रदीप राणा, पं. आनंद मणि सेमवाल, राकेश राणा आदि श्रद्धालु शामिल हैं।

खेलों में न्याय पंचायत गैरसैंण और कुशरानी का दबदबा

गैरसैंण। राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज मेहलचौरी में 24वीं विकासखंड गैरसैंण स्तरीय शरदकालीन खेल प्रतियोगिता हुई। खोखो में न्याय पंचायत गैरसैंण और कबड्डी में न्याय पंचायत कुशरानी ने शानदार प्रदर्शन किया। खो-खो बालिका वर्ग में गैरसैंण और मेहलचौरी ने विभिन्न आयु वर्गों में जीत हासिल की। खो-खो बालक वर्ग में भी गैरसैंण और मेहलचौरी विजेता बने।

वॉलीबॉल की 17 आयु वर्ग प्रतियोगिता रोहिड़ा ने जीती जबकि 19 आयु वर्ग में देवलकोट विजेता रहा। कबड्डी बालक वर्ग में कुशरानी और गैरसैंण ने विभिन्न आयु वर्गों में खिताब जीते। कबड्डी के बालिका वर्ग में कुशरानी और गैरसैंण विजेता रहे। इस प्रतियोगिता में विभिन्न न्याय पंचायतों से कुल 256 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

राखी मेकिंग व चित्रकला प्रतियोगिता हुई

रुद्रप्रयाग। डॉ. जैक्सवीन नेशनल स्कूल, गुप्तकाशी में राखी मेकिंग एवं चित्रकला प्रतियोगिता हुई। प्रतियोगिता में बाल वाटिका एवं कक्षा एक से तीन के विद्यार्थियों ने चित्रकला के माध्यम से राखी बनाई। कक्षा चार एवं पांच के बच्चों ने कागज, धागे, कपड़े के टुकड़े तथा प्राकृतिक वस्तुओं का उपयोग कर आकर्षक राखियां तैयार कीं।

दूर होगी पढ़ाई की दूरी,

तिलधारखाल-माला में इंटर की मंजूरी

यमकेश्वर। विकासखंड यमकेश्वर के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए लंबे समय से चली आ रही पढ़ाई की दूरी अब खत्म होने जा रही है।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तिलधारखाल और राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय माला को इंटरमीडिएट स्तर तक उच्चीकृत करने के शासनादेश जारी हो गए हैं। दोनों विद्यालयों को इंटर की मान्यता मिलने से अब गांव के बच्चों को 10वीं के बाद पढ़ाई जारी रखने के लिए आठ से 10 किलोमीटर दूर दूसरे विद्यालयों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

इससे खासकर उन छात्र-छात्राओं को बड़ी राहत मिलेगी जिनके लिए विद्याालय की दूरी आगे की पढ़ाई में सबसे बड़ी बाधा बन जाती थी।

माला विद्यालय में वर्तमान में करीब 50 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। हाईस्कूल के बाद यहां के विद्यार्थियों को इंटर की पढ़ाई के लिए करीब आठ किलोमीटर दूर गैंडखाल इंटर कॉलेज या टिहरी जिले के गूलर इंटर कॉलेज जाना पड़ता था। पहाड़ी क्षेत्र में दूरी और आवागमन की कठिनाइयों के कारण कई विद्यार्थियों के लिए आगे की पढ़ाई जारी रखना चुनौतीपूर्ण हो जाता था। कुछ छात्र-छात्राओं को पढ़ाई बीच में छोड़नी पड़ती थी जबकि कई परिवार बच्चों को आगे की शिक्षा के लिए शहरों की ओर भेजने को मजबूर होते थे। तिलधारखाल विद्यालय का भी क्षेत्र में पुराना शैक्षिक इतिहास रहा है।

15 गांवों का एकमात्र सहारा तिलधार विद्यालय

तिलधारखाल विद्यालय करीब 15 गांवों के बच्चों की शिक्षा का प्रमुख केंद्र है। पम्बा, पनियाली, टोला, जिमराड़ी, तिलधार, बलोदी, जामल, कुलेथ, खरदूणी, पोखरी, भड़ैत, सैंज और घयाला समेत आसपास के गांवों के बच्चे यहां पढ़ते हैं। 10वीं के बाद विद्यार्थियों को 10 से 15 किमी दूर जाना पड़ता था। दूरी और आर्थिक कठिनाइयों के कारण खासकर कई छात्राओं की पढ़ाई छूट जाती थी।

युवा कांग्रेस की बैठक में संगठन विस्तार और मजबूती पर मंथन

ऋषिकेश। रेलवे रोड स्थित एक होटल में जिला युवा कांग्रेस की बैठक आयोजित की गई। इसमें संगठन को धरातल पर मजबूत करने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाने को लेकर चर्चा हुई। बुधवार को आयोजित बैठक में जिल प्रभारी उत्कर्ष वालिया ने कहा कि युवा कांग्रेस संघर्ष की पहचान रही है और युवाओं से जुड़े रोजगार व अधिकारों के मुद्दों पर मजबूती से आवाज उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संगठन की वास्तविक ताकत उसकी जमीनी पकड़ है। इसलिए युवा कांग्रेस की पहुंच गांव, कस्बे और बूथ स्तर तक बढ़ाई जाएगी। सह प्रभारी वंदना राही ने कहा कि संगठन में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना प्राथमिकता है। जिला अध्यक्ष गौरव भारती ने कहा कि जिला स्तर पर संगठन की गतिविधियों को गति दी जाएगी और कार्यकर्ता जनता की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएंगे। जिला उपाध्यक्ष विशाल स्नेहा ने युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देकर संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

यूकेएसएसएससी में नई भर्तियों की मांग को लेकर युवाओं ने लगाया मंडाण

देहरादून। उत्तराखंड बेरोजगार संघ के नेतृत्व में युवाओं ने उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) में नई भर्तियों की मांग को लेकर आयोग कार्यालय के बाहर मंडाण लगाया। युवाओं ने पूजा-अर्चना कर देवताओं का आह्वान किया और रोजगार की मांग को लेकर अपनी आवाज बुलंद की।

युवाओं का कहना था कि प्रदेश के बेरोजगार लंबे समय से नई भर्तियों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आयोग से जल्द से जल्द नई भर्तियां जारी करने और युवाओं के हित में ठोस कदम उठाने की मांग की। आंदोलनकारियों ने कहा कि युवाओं को रोजगार चाहिए, केवल आश्वासन नहीं। मंडाण के बाद आयोग की ओर से परीक्षा कैलेंडर जारी किए जाने पर युवाओं ने इसे अपने संघर्ष की बड़ी सफलता बताया। आंदोलन में शामिल युवाओं ने कहा कि यह युवा एकता और लगातार किए जा रहे संघर्ष की जीत है। उन्होंने रोजगार के लिए अपना आंदोलन आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया।

रामझूला की मरम्मत में देरी से व्यापारियों का कारोबार संकट में

ऋषिकेश। प्रसिद्ध रामझूला पुल के जीणोद्धार और मरम्मत कार्य में हो रही देरी ने स्वर्गाश्रम और मुनिकीरेती क्षेत्र के व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है।

कांवड़ मेले के दौरान पुल पर आवाजाही पूरी तरह बंद रहने से पहले ही कारोबार को भारी नुकसान झेल चुके व्यापारियों को अब मरम्मत कार्य की धीमी रफ्तार ने आगामी प्रमुख स्नान और कुंभ मेले के लिए चिंतित कर दिया है। व्यापारियों का कहना है कि यदि समय रहते पुल की मरम्मत पूरी नहीं हुई तो पर्यटन और तीर्थाटन पर निर्भर स्थानीय कारोबारियों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है।

व्यापारियों के मुताबिक रामझूला दोनों तटों के बाजारों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। पुल बंद होने के कारण पर्यटकों और श्रद्धालुओं को जानकी सेतु या बजरंग सेतु के रास्ते कई किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है। दूरी बढ़ने के चलते बड़ी संख्या में लोग मुख्य बाजारों तक पहुंचने से बच रहे हैं। इसका सीधा असर हस्तशिल्प, धार्मिक सामग्री, होटल, रेस्टोरेंट और खान-पान सहित छोटे-बड़े कारोबार पर पड़ रहा है।

व्यापारी सोनू शर्मा ने बताया कि कांवड़ मेले के दौरान रामझूला बंद रहने से कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ। उनके मुताबिक इस अवधि में करीब 70 से 80 फीसदी कारोबार चौपट हो गया। उन्होंने कहा कि अब मरम्मत कार्य की गति देखकर आशंका है कि यदि पुल समय पर तैयार नहीं हुआ तो आगामी कुंभ मेले में भी व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभावी कदम उठाने की मांग की।

दूरी बढ़ने से बाजारों से कट रहे पर्यटक

व्यापारी दयाल शर्मा ने कहा कि वैकल्पिक मार्गों से बाजारों तक पहुंचने में अधिक समय लगने के कारण पर्यटक और श्रद्धालु दुकानों तक नहीं पहुंच रहे हैं। इसका असर सीधे बिक्री पर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि लोक निर्माण विभाग मरम्मत कार्य की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करे और ठेकेदार को अतिरिक्त श्रमबल लगाकर कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए जाएं।

उत्तराखंड में समूह-ग की 15 भर्तियों का कैलेंडर जारी

देहरादून।अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) ने समूह-ग की 15 भर्तियों का कैलेंडर जारी कर दिया है। ये भर्तियां इसी साल निकाली जाएंगी और इनकी परीक्षाएं अगले साल 21 फरवरी तक प्रस्तावित की गई हैं। आयोग सचिव एनएस डुंगरियाल के मुताबिक, पूर्व में जारी विज्ञापन संख्या-76 के तहत पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती परीक्षा 20 सितंबर को, विज्ञापन संख्या-74 की सर्वेक्षक परीक्षा 20 सितंबर को, सहायक बोरिंग टेक्नीशियन, कंप्यूटर प्रोग्रामर की परीक्षा 27 सितंबर को, कनिष्ठ कैमरामैन, फोटोकॉपी मशीन ऑपरेटर, प्रोजेक्शनिस्ट, शोध अधिकारी, फोटोग्राफर की परीक्षा चार अक्तूबर को, कलाकार, मानचित्रकार, विधि सहायक की परीक्षा 11 अक्तूबर को, साहसिक खेल अधिकारी, कैमरामैन, प्राविधिक सहायक की परीक्षा 18 अक्तूबर को, लाइनमैन, मनोवैज्ञानिक, अनुदेशक की परीक्षा 25 अक्तूबर को, पर्यटन अधिकारी की एक नवंबर को होगी।

बाघ के हमले के बाद फॉक्स लाइट और ट्रैप कैमरे का पहरा

यमकेश्वर। धमांद गांव में बाघ के हमले में श्रमिक के घायल होने की घटना के बाद वन विभाग और राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन ने ग्रामीणों की सुरक्षा पर निगरानी बढ़ा दी है। गांव के जंगल से सटे संवेदनशील इलाकों में फॉक्स लाइट और ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। कैमरों के जरिये बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी जबकि फॉक्स लाइट से रात के समय आबादी की ओर वन्यजीवों की आवाजाही रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

कुछ दिन पहले धमांद गांव में बाघ ने नेपाली मूल के एक श्रमिक पर हमला कर उसे घायल कर दिया था। घटना के बाद ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया था। ग्रामीणों ने वन विभाग से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने और बाघ की गतिविधियों पर नजर रखने की मांग की थी। ग्रामीणों की मांग पर राजाजी टाइगर रिजर्व प्रशासन ने गांव के जंगल से लगे रास्तों, खेतों और आबादी के किनारों को संवेदनशील मानते हुए वहां निगरानी उपकरण लगाए हैं। फॉक्स लाइट रात में तेज रोशनी और आवाज के माध्यम से वन्यजीवों को आबादी की ओर आने से रोकने में मदद करेंगी। वहीं, ट्रैप कैमरों के जरिए बाघ की मूवमेंट रिकॉर्ड की जाएगी, जिससे उसकी आवाजाही वाले क्षेत्रों की पहचान करने और आगे की रणनीति तय करने में वन विभाग को मदद मिलेगी।

पात्र श्रमिकों के जीवन स्तर को सुधारना सरकार का लक्ष्य : विधायक

डोईवाला। उत्तराखंड सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से आयोजित श्रमिक किट और सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विधायक बृजभूषण गैरोला ने सैकड़ों श्रमिकों को सामग्री किट का वितरण किया। कहा कि सरकार श्रमिकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रयासरत है।

आर्यनगर स्थित एक वेडिंग प्वाइंट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में विधायक बृजभूषण गैरोला ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। चिह्नित पंजीकृत पात्र 355 श्रमिकों को श्रम विभाग की शिक्षा, पोषण और हाईजीन सामग्री किट वितरित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक बृजभूषण गैरोला ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि श्रमिकों और उनके परिवारों को स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और स्वच्छता से जुड़ी योजनाओं का लाभ आसानी से उपलब्ध हो सके। उन्होंने श्रमिकों से योजनाओं का लाभ उठाने को कहा है। नगर पालिका अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह नेगी ने कहा कि सरकार की जलकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने को प्राथमिकता दी जा रही है। श्रम अधिकारी आनंद शेखर ने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से 355 श्रमिकों को किट देने के अलावा 246 श्रमिकों के स्वास्थ्य जांच की गई है। जिसमें 44 तरह की जांच की गई है। कार्यक्रम में सभासद सुरेश सैनी, पंकज शर्मा, प्रमोद रावत, पूर्व प्रधान रामकिशन, विक्रम सिंह नेगी, भारत सिंह नेगी, सुनील नेगी, रविन्द्र बेलवाल आदि मौजूद रहे।

विश्व बैंक समूह के प्रबंध निदेशक पहुंचे दून

देहरादून।विश्व बैंक समूह के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं चीफ नॉलेज ऑफिसर पास्कल डोनोहो ने बुधवार को उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय, जॉलीग्रांट का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तराखंड की आपदा प्रबंधन व्यवस्था, आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं, तकनीकी संसाधनों और विशेषज्ञ रेस्क्यू क्षमताओं का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने एसडीआरएफ मुख्यालय में प्रथम फेज में पूर्ण किए गए निर्माण कार्यों एवं आधुनिक आधारभूत संरचना का अवलोकन किया। टीम ने एडमिनिस्ट्रेशन ब्लॉक, ट्रेनिंग ब्लॉक, कैनाइन यूनिट और एसडीआरएफ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रतिनिधिमंडल को आपदा के समय रेस्क्यू टीमों की त्वरित तैनाती, संचार व्यवस्था, अभियान की निगरानी तथा कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। सेनानायक एसडीआरएफ अर्पण यदुवंशी ने प्रतिनिधिमंडल को उत्तराखंड की विषम भौगोलिक एवं भौगर्भिक परिस्थितियों के कारण उत्पन्न होने वाली आपदाओं और उनसे निपटने के लिए एसडीआरएफ द्वारा विकसित विशेषज्ञ रेस्क्यू क्षमताओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने एसडीआरएफ के प्रशिक्षण तंत्र, तकनीकी दक्षता और आधुनिक उपकरणों की जानकारी भी साझा की। प्रतिनिधिमंडल को पर्वतीय क्षेत्रों, नदी घाटियों, भूस्खलन प्रभावित इलाकों और अन्य आपदा संभावित क्षेत्रों में एसडीआरएफ द्वारा संचालित रेस्क्यू अभियानों की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया।

शासन ने छह अफसरों के विभागों में किया फेरबदल

देहरादून। उत्तराखंड शासन ने छह अधिकारियों के विभागों में फेरबदल किया है। कार्मिक एवं सतर्कता अनुभाग-एक की ओर से जारी आदेश में तीन आईएएस, एक पीसीएस और सचिवालय सेवा के दो अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। आईएएस विजय कुमार जोगदंडे को अपर सचिव, गृह विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

डॉ. आनंद श्रीवास्तव को अपर सचिव, नागरिक उड्डयन और महानिदेशक, कृषि एवं उद्यान का दायित्व सौंपा गया है और उन्हें अपर सचिव, राजस्व विभाग से कार्यमुक्त किया गया है। आईएएस विनोद गिरी गोस्वामी से अपर सचिव, आवास विभाग की जिम्मेदारी हटा दी गई है,

जबकि उनके अन्य दायित्व यथावत रहेंगे। पीसीएस अधिकारी सुंदर लाल सेमवाल को अपर सचिव, समाज कल्याण विभाग के पद से कार्यमुक्त किया गया है।

सचिवालय सेवा के सुनील सिंह को अपर सचिव, गृह विभाग से हटाकर अपर सचिव, आवास विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं सचिवालय सेवा की अधिकारी महिमा रैकली को अपर सचिव, राजस्व एवं सैनिक कल्याण विभाग का दायित्व सौंपा गया है। आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारी अपनी वर्तमान जिम्मेदारियों से कार्यमुक्त होकर नई तैनाती के पद पर तत्काल कार्यभार ग्रहण करेंगे।

75 साल पुराने कुएं को मिलेगा नया जीवन

डोईवाला। प्रेमनगर बाजार में शिव मंदिर परिसर के समीप करीब 75 साल पुराने कुएं का नगर पालिका ने जीणोद्धार शुरू करा दिया है। स्थानीय विरासत और पारंपरिक जलस्रोत के रूप में इसे संरक्षित करने की पहल की गई है। जीणोद्धार से पहले विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कभी यह कुआं आसपास की आबादी का प्रमुख जलस्रोत था। घर-घर नल की सुविधा न होने के दौर में लोग पेयजल और दैनिक जरूरतों के लिए इसी पर निर्भर रहते थे। क्षेत्र के जागरूक लोगों की पहल से निर्मित यह कुआं समय के साथ प्रेमनगर बाजार के सामाजिक जीवन का हिस्सा बन गया। नगर पालिका सभासद सुनीता सैनी ने कहा कि जीणोद्धार पुराने ढांचे को नया स्वरूप देने के साथ नई पीढ़ी को स्थानीय विरासत, पानी के महत्व और जल संरक्षण से जोड़ने का माध्यम है। वहीं, नगर पालिका डोईवाला अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि पुराने जलस्रोतों का संरक्षण अतीत को सहेजने के साथ भविष्य के लिए जल और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी मजबूत करता है।

एलयूसीसी में डूबी रकम वापस दिलाने की मांग, पीड़ितों का धरना जारी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : द लोनी अरबन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-आपरेटिव सोसाइटी (एलयूसीसी) में जमा रकम वापस नहीं मिलने से पीड़ितों में आक्रोश है। पीड़ितों ने कंपनी संचालकों को तत्काल गिरफ्तार करने और उनकी संपत्तियां कुर्क कर निवेशकों की डूबी रकम वापस दिलाने की मांग की है।

पीड़ित सुरेश नेगी ने बताया कि कंपनी संचालकों ने निवेशकों को रकम दोगुनी करने का लालच देकर बड़ी संख्या में लोगों से धनराशि जमा कराई। उनके झांसे में आकर निवेशकों ने अपनी मेहनत की कमाई का अधिकांश हिस्सा कंपनी में लगा दिया। कुछ समय बाद कंपनी संचालक कार्यालयों में ताले लगाकर फरार हो गए, जिसके बाद निवेशकों की रकम फंस गई। उन्होंने कहा कि रकम वापस दिलाने की मांग को लेकर पीड़ित पिछले 416 दिनों से तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस सुनवाई नहीं हुई है। पीड़ितों का कहना है कि शासन-प्रशासन की ओर से मामले में क्या कार्रवाई की जा रही है, इसकी जानकारी भी उन्हें नहीं दी जा रही है। पीड़ितों ने मांग की कि कंपनी संचालकों को जल्द गिरफ्तार किया जाए और उनकी संपत्तियों को कुर्क कर निवेशकों की डूबी रकम वापस दिलाई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक रकम वापस नहीं मिलती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर सुनीता रावत, जयपाल सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह, सरोज गौड़, सुनीता नेगी और सविता भंडारी मौजूद रहे।

कोटद्वार तहसील परिसर में एलयूसीसी ठगी के खिलाफ धरना देते पीड़ित

हाथियों ने तबाह की काश्तकारों की फसल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : भाबर क्षेत्र के वार्ड नंबर 37 पश्चिमी झंडीचौड़ में मंगलवार रात हाथियों के झुंड ने खेतों में खड़ी धान की फसल को बर्बाद कर दिया। काश्तकार पूरी रात जाग कर हाथियों को खदेड़ने में जुटे रहे।पश्चिमी झंडीचौड़ का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है, यही कारण है कि झंडीचौड़ में जंगली जानवरों की धमक बनी रहती है। सोमवार रात हाथियों का झुंड आबादी में पहुंच गया था। हाथियों ने काश्तकार संतोष सिंह व दीपा देवी के खेत में घुसकर कई बीघे में खड़ी फसल बर्बाद कर दी। पार्षद सुखपाल शाह ने कहा कि जंगल से सटे क्षेत्र के काश्तकार लंबे समय से जंगली जानवरों के आतंक से परेशान हैं। हाथी आए दिन धान व गेहूं समेत विभिन्न फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, इससे किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। बताया कि क्षेत्र के अधिकांश परिवार खेती पर निर्भर हैं। ऐसे में शासन-प्रशासन को क्षेत्र में हाथी सुरक्षा दीवार का निर्माण कर जंगली जानवरों से निजात दिलवानी चाहिए। बताया कि वर्ष 2003 में पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने फेंसिंग लाइन लगाई थी। लेकिन, वह भी पूरी तरह खराब पड़ी हुई है।

नशे और साइबर अपराध से बचाव को बच्चों को किया जागरूक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बच्चों को नशे और साइबर अपराध से बचाने के साथ ही बाल शोषण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से पुलिस की ओर से झंडीचौड़ स्थित पृथ्वी विद्या मंदिर में जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने छात्र-छात्राओं को विभिन्न खतरों से बचने के तरीके बताए।कार्यशाला के दौरान पुलिस टीम ने बच्चों को सीएसएएम (चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल) के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। बताया गया कि बच्चों से संबंधित अश्लील या शोषणकारी डिजिटल सामग्री तैयार करना, डाउनलोड करना, अपने पास रखना अथवा किसी के साथ साझा करना गंभीर अपराध है। बच्चों को सलाह दी गई कि मोबाइल या सोशल मीडिया पर ऐसी कोई सामग्री सामने आने पर उसे डाउनलोड या शेयर न करें और तत्काल अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस को इसकी सूचना दें। पुलिस टीम ने बताया कि साइबर अपराधों पर संबंधित एजेंसियों की निगरानी रहती है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है। बच्चों को साइबर ठगी और साइबर बुलिंग से बचाव के साथ सोशल मीडिया का सावधानी पूर्वक इस्तेमाल करने की भी सलाह दी गई। कार्यशाला में गुड टच और बैड टच के बारे में भी बच्चों को समझाया गया। पुलिस ने कहा कि किसी भी तरह का अनुचित व्यवहार या असहज स्थिति सामने आने पर उसे छिपाने के बजाय तुरंत माता-पिता, शिक्षक या किसी विश्वसनीय व्यक्ति को बताएं। इसके अलावा बच्चों को नशे के दुष्परिणामों और गलत संगति से होने वाले नुकसान की जानकारी देते हुए नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। पुलिस टीम ने बच्चों से सजग रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल जिम्मेदार व्यक्ति तक पहुंचाने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा सरकार युवाओं के भविष्य के साथ कर रही खिलवाड़

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : मुख्यालय में कांग्रेस की ओर से रक्षाबंधन पर्व पर महिला सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बेरोजगारी, पेपर लीक, महंगाई आदि मुद्दों पर केंद्र और प्रदेश सरकार पर हमला बोला। कहा कि भाजपा सरकार ने पेपर लीक कर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है।बुधवार को संस्कृति विभाग के प्रेक्षागृह में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। गोदियाल ने कहा कि आजादी के बाद से लेकर कांग्रेस ने देशहित के लिए सब कुछ किया है। दावा किया कि कांग्रेस की सरकार आते ही बेरोजगारी दूर करने के लिए ठोस योजना तैयार की जाएगी। कार्यक्रम का संचालन यशोदा नेगी ने किया। इस मौके पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष विनोद नेगी, वरिष्ठ नेता सुंदर लाल मुयाल, अरुणा कुमार, अनूप सिंह, भरत सिंह, अनिल कुमार, श्रीकांत, तस्लीम जावेद, राहत हुसैन, विजय दर्शन बिष्ट, आशीष नेगी, कमला नेगी आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने निकाली रैली

देवप्रयाग : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मंच का कथित तौर पर शुद्धिकरण किए जाने के विरोध में ब्लॉक हिंडोलाखाल में कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ने जन आक्रोश रैली निकाली। कार्यकर्ताओं ने हिंडोलाखाल बाजार और आसपास के क्षेत्रों में रैली निकालकर भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान हुई जनसभा में पूर्व मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि भाजपा इस तरह की घटिया सोच रखकर चुनाव जीतना चाहती है, लेकिन उसके यह मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष का अपमान सीधे तौर पर देश के शोषित और वंचित वर्ग की अस्मिता पर हमला है। रैली व सभा के दौरान भाजपा व यूकेडी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए कई नेताओं को सदस्यता दिलाई गई। रैली में जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल, प्रदेश सचिव यशपाल चौहान, क्षेत्र पंचायत सदस्य अरविंद सजवान, पंचायती राज के प्रदेश सचिव शिव सिंह चौहान, माधवर सिंह रावत, राजेंद्र सिंह चौहान, नरेश उमरिया आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने विरासत नाटक का किया मंचन, दर्शकों ने सराहा

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) और गढ़वाल विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से आयोजित नाट्य कार्यशाला में महेश एलकुंचवार के चर्चित नाटक विरासत का प्रथम मंचन किया गया। यथार्थवादी शैली में प्रस्तुत इस नाटक को दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिली और कलाकारों के प्रभावशाली अभिनय की जमकर सराहना हुई। नाटक का निर्देशन गढ़वाल विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र के सहनिदेशक महेंद्र सिंह पंवार ने किया। नाटक से पारिवारिक रिश्तों, बदलते मूल्यों और पीढ़ियों के बीच बढ़ती दूरी को संवेदनशील एवं सहज ढंग से मंच पर प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर केंद्र के निदेशक गणेश खुगशाल गणी, उपनिदेशक डॉ. संजय पांडेय तथा जेके पैन्यूली सहित अनेक रंगकर्मी एवं दर्शक उपस्थित रहे। नाटक में रोहन गुप्ता, शिवम सिंह, प्राची, मेघा ध्यानी, प्रीति रावत, नितिन सिंह, शुभम वर्मा, मौली दानू आदि ने अभिनय किया।

चुनौतियों के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करना जरूरी

श्रीनगर गढ़वाल : जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) चड़ीगांव में कक्षा 11 के तीन दिवसीय कौशल प्रशिक्षण का समापन हुआ। कार्यशाला में विकासखंड कल्जीखाल, यमकेश्वर और कोट के 40 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों को 21वीं सदी के आवश्यक कौशलों के साथ ही उद्यमशील मानसिकता के संबंध में जानकारी दी गई। प्रशिक्षकों ने कहा कि बदलते समय की चुनौतियों के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करना आवश्यक है। प्रभारी प्राचार्य जितेंद्र राणा ने कहा कि प्रशिक्षण तभी सफल माना जाएगा, जब प्रतिभागी इससे प्राप्त ज्ञान और कौशल को विद्यार्थियों तक पहुंचाकर उनके व्यवहार और व्यक्तित्व में समाहित कर सकें। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण के उद्देश्यों को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रवक्ता विनय चौधरी, सरिता जोशी, डॉ. शिव कुमार भारद्वाज, कौशलम प्रशिक्षण की समन्वयक अनुजा मैठाणी, उद्यम लर्निंग फाउंडेशन की सुनीता राणा मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर पीएम के साथ युवा करेगें संवाद

श्रीनगर गढ़वाल : राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में गढ़वाल केंद्रीय विवि के चौरास परिसर में 27 अगस्त को 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात, पीएम के साथ' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का युवाओं के साथ वर्चुअल संवाद होगा और सजीव प्रसारण किया जाएगा। इसके बाद खिलाड़ियों और युवाओं के साथ खेल एवं स्पोर्ट्स इकोसिस्टम से जुड़े विषयों पर संवाद होगा। कार्यक्रम के समन्वयक एवं सहायक निदेशक शारीरिक शिक्षा मोहित सिंह बिष्ट ने बताया कि केंद्र सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से और मेरा युवा भारत के निर्देशानुसार कार्यक्रम स्वामी मन्मथन प्रेक्षागृह में होगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8.30 बजे स्वयंसेवकों की ब्रीफिंग और आयोजन स्थल की तैयारियों के साथ होगी।

मजदूरों का नहीं हुआ भुगतान, डीएम ने दिए जांच के आदेश

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकासखंड कोट की ग्राम पंचायत कोट में सारा (स्प्रिंग एंड रिवर रिजुवेनेशन अथॉरिटी) के तहत कराए गए जल संवर्धन कार्यों में मजदूरी भुगतान को लेकर सवाल उठाएं है। ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया कि मजदूरों से काम कराने के बावजूद उन्हें अभी तक भुगतान नहीं किया गया है। जबकि ब्लॉक के अधिकारियों के अनुसार ठेकेदार को लाखों रूपये का भुगतान किया गया है। प्रधान की शिकायत पर जिलाधिकारी ने जांच के निर्देश दिए हैं।

ग्राम प्रधान प्रियंका कुमारी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत कोट में सारा के तहत 50 चेकडैम बनाए जाने थे, जिनमें से 43 का निर्माण पूरा हो चुका है। प्रधान ने आरोप लगाया कि काम पूरा होने के बावजूद मजदूरों को उनकी मजदूरी नहीं मिली। प्रधान ने बताया कि ब्लॉक कार्यालय से मिली जानकारी में ठेकेदार को करीब 10 लाख रुपये का भुगतान किए जाने की बात बताई गई। बीडीओ कोट अमित बिजल्वाण के अनुसार कोट में 13 लाख रुपये की लागत से जल संवर्धन कार्य किए जाने थे।

एमबी के अनुसार ठेकेदार को प्रथम किस्त के रूप में आठ लाख का भुगतान किया जा चुका है, जबकि पांच लाख का भुगतान अभी लंबित है। वहीं, ठेकेदार अनिल गुसाईं का कहना है कि गांव में करीब 25 से 30 चेकडैम और 20 से 25 मीटर दीवार का निर्माण किया गया था। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने कहा कि ग्राम प्रधान की शिकायत पर जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं।

प्रधानाचार्य पदों पर पदोन्नति की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रधानाचार्य पदों पर पदोन्नति समेत शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षा सचिव ज्योति यादव से मुलाकात की। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि शिक्षकों की कई समस्याओं को लेकर लंबे समय से शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो पाई है।

प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार मिश्रा और प्रदेश महामंत्री डा. महावीर सिंह बिष्ट के नेतृत्व में शिक्षा सचिव से मिले प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विद्यालयों में लंबे समय से प्रधानाचार्य के पद रिक्त हैं। पदोन्नति प्रक्रिया में तेजी लाकर इन पदों को भरे जाने से विद्यालयी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। संघ ने तदर्थ शिक्षकों के विनियमितीकरण की प्रक्रिया जल्द पूरी करने की मांग भी उठाई। इसके अलावा 10 हजार मानदेय पर कार्यरत शिक्षकों को तदर्थ नियुक्ति देने तथा तदर्थ सेवा का लाभ चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान में दिए जाने की मांग रखी गई। शिक्षा सचिव ने शिक्षक संघ की ओर से रखी गई समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश देने का आश्वासन दिया। संघ पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि लंबे समय से लंबित मामलों में जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। इस दौरान प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय बिष्ट, प्रकाश टाकुली, गिरीश कोरंगा, नकुल रावत, अवधेश सेमवाल समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा सचिव को ज्ञापन सौंपते माध्यमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी।

कैरियर काउंसलिंग में विद्यार्थियों को स्वरोजगार के सिखाए गुर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कौशल विकास एवं सेवायोजन विभाग, लैंसडाउन की ओर से राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में कैरियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को रोजगार और स्वरोजगार के लिए सरकार की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं और अवसरों की जानकारी दी गई। साथ ही युवाओं को बदलते रोजगार बाजार के अनुरूप कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी और सेवायोजन अधिकारी अजय सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्राचार्य प्रो. डीएस नेगी ने कहा कि वर्तमान समय में केवल डिग्री हासिल करना रोजगार की गारंटी नहीं है। विद्यार्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ रोजगारपरक कौशल, तकनीकी ज्ञान और आत्मविश्वास विकसित करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपनी रूचि और क्षमता के अनुरूप कैरियर लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर सीखते रहने का आह्वान किया। सेवायोजन अधिकारी अजय सिंह ने विद्यार्थियों को कैरियर के विभिन्न विकल्पों, सेवायोजन विभाग के पोर्टल और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रोजगार के क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए युवाओं के लिए व्यावहारिक और रोजगार परक कौशल विकसित करना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी रुचि एवं क्षमता के अनुरूप कैरियर का चयन कर सरकारी योजनाओं और विभागीय सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की। काउंसलिंग सत्र के दौरान विद्यार्थियों को कैरियर चयन, रोजगार के उपलब्ध अवसरों, कौशल विकास तथा सेवायोजन विभाग की सुविधाओं और योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। विद्यार्थियों ने कैरियर से जुड़े विभिन्न सवाल भी पूछे, जिनका विशेषज्ञों ने समाधान किया। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी डा. विनोद सिंह भंडारी, कैरियर परामर्श प्रकोष्ठ की संयोजक डा. मनीषा सिंह, समिति सदस्य डा. गणेश चंद, डा. हिमांशु, डा. गीता, डा. भुवनेश कुमार, डा. आशाराम बिजल्वाण, डा. संदीप कुमार, डा. संजय मदान और डा. मीनाक्षी वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

कोटद्वार के महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला में विद्यार्थियों को जानकारी देते अतिथि।

जल्द स्थायी लाइब्रेरियन मिलने की उम्मीद जगी

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय को जल्द स्थायी लाइब्रेरियन मिलने की उम्मीद है। लाइब्रेरियन पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया आगे बढ़ गई है। स्क्रीनिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 15 आवेदकों को साक्षात्कार के लिए चयनित किया गया है। साथ ही इंटरनल ऑडिट ऑफिसर(डेपुटेशन) पद के लिए भी साक्षात्कार होंगे। साक्षात्कार की तिथि 11 सितंबर को निर्धारित की गई है। गढ़वाल विवि के केंद्रीय पुस्तकालय में लंबे समय से लाइब्रेरियन का पद रिक्त होने के कारण पुस्तकालय संचालन एवं शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़े कार्य प्रभावित हो रहे हैं। इसको देखते हुए विवि ने लाइब्रेरियन पद के लिए नियुक्ति प्रक्रिया तेज कर दी है। विवि के कुलसचिव प्रो.वाईपी रैवानी का कहना है कि लाइब्रेरियन व इंटरनल ऑडिट ऑफिसर के पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। उक्त पदों पर जल्द नियुक्ति हो इसके लिए साक्षात्कार की तिथि भी निर्धारित कर दी गई है। (एजेंसी)

गंगोत्री हाईवे : ज्ञानसू से भटवाड़ी तक गड्ढे ही गड्ढे

उत्तरकाशी। गंगोत्री हाईवे पर ज्ञानसू से लेकर भटवाड़ी तक बने गड्ढे बड़े हादसों को न्योता दे रहे हैं। साथ ही अब मानसून सीजन के बाद शुरू होने वाली चारधाम यात्रा में एक बार फिर लोगों को गड्ढों के साथ नेताला–भटवाड़ी के भूस्खलन जोन व धंसती सड़कें यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनेगी। इसको लेकर भाजपा के जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर बीआरओ को जल्द ही सड़क के गड्ढे भरने के निर्देश देने की मांग की है।

दूसरी ओर जिला होटल एसोसिएशन की ओर से भी नेताला के भूस्खलन जोन सहित गंगोत्री हाईवे के चौड़ीकरण की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि अब दोबारा मानसून सीजन के बाद चारधाम यात्रा रफ्तार पकड़ती है लेकिन सड़क की दुर्दशा एक बार फिर मुसीबत का सबब बन सकती है। साथ ही कहा कि बड़ेथी से लेकर गंगोत्री तक सड़क का चौड़ीकरण जल्द किया जाए। वहीं, बड़ेथी से तेखला तक प्रभावित होने वाले लोगों को जल्द ही मुआवजा दिया जाए। दूसरी ओर भाजपा के जिलाध्यक्ष नागेंद्र चौहान ने कहा कि गंगोत्री हाईवे पर विशालकाय गड्ढे हर समय हादसों को न्योता दे रहे हैं। पूर्व में गंगोरी और आसपास के क्षेत्र में इन गड्ढों की वजह से कई हादसे हो चुके हैं।

दुकानें हटाने से पहले पुनर्वास की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : रेलवे स्टेशन के समीप स्टेशन रोड पर संचालित दुकानों को हटाने की कार्रवाई से पहले प्रभावित व्यापारियों को वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने की मांग को लेकर व्यापारियों का धरना बुधवार को भी जारी रहा। व्यापारियों ने कहा कि बिना वैकल्पिक व्यवस्था किए दुकानें हटाए जाने से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

नगर व्यापार मंडल के नेतृत्व में स्टेशन रोड के दुकानदारों ने धरना स्थल पर शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। व्यापारियों ने कहा कि वे कई वर्षों से स्टेशन रोड पर दुकानें संचालित कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। अब अचानक दुकानें खाली करने के नोटिस मिलने से उनके सामने कारोबार बंद होने की स्थिति पैदा हो गई है। व्यापारियों ने मांग की कि दुकानों को हटाने से पहले उन्हें नगर निगम क्षेत्र में ही किसी उपयुक्त स्थान पर वैकल्पिक दुकानें उपलब्ध कराई जाएं, ताकि उनका रोजगार प्रभावित न हो। उनका कहना है कि वर्षों से कारोबार कर रहे दुकानदारों के हितों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को पुनर्वास की व्यवस्था करनी चाहिए। नगर व्यापार मंडल के सचिव नवीन गोयल ने कहा कि जब तक प्रभावित व्यापारियों को अन्यत्र विस्थापित करने की व्यवस्था नहीं की जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरने में विवेक अग्रवाल, सुशील चौधरी, भूपेश चंद्र, विनोद सिंह, सुनील कुमार, अनिल कुमार, हरीश भाटिया, सुरेश भाटिया, शिव कुमार और प्रीतम लाल सहित अन्य व्यापारी मौजूद रहे।

कोटद्वार में स्टेशन रोड पर धरना देते व्यापारी।

रक्तदान शिविर में 105 लोगों ने किया रक्तदान

श्रीनगर गढ़वाल : बेस अस्पताल श्रीकोट के ब्लड बैंक में रक्त की कमी को देखते हुए मुस्लिम समाज की ओर से ईद मिलाद उन नबी और रक्षाबंधन के अवसर पर मस्जिद परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 105 युवक-युवतियों ने रक्तदान किया, जबकि रक्तदान के लिए पहुंचे करीब 20 लोग स्टोरेज की समस्या के कारण रक्तदान नहीं कर सके। बुधवार सुबह से ही मस्जिद परिसर में रक्तदान करने वालों की लंबी कतार लगी रही। बेस अस्पताल श्रीकोट के ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. सतीश के नेतृत्व में उनकी टीम सुबह से शाम तक रक्तदाताओं के स्वास्थ्य परीक्षण और रक्त संग्रह कार्य में जुटी रही। रक्त संग्रह की निर्धारित क्षमता पूरी होने के कारण करीब 20 रक्तदाता खून दान नहीं कर सके। इस अवसर पर परवेज अहमद, जामीन अंसारी, नजमुल राव, जावेद हैदर, जावेद अहमद, वकील अहमद, अकील, मुकीम, गुलफाम, लक्की, शाकिर, फरमान, पप्पू, शाह आलम, इरशाद और शमीम अहमद आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

भूस्खलन के खतरे के बीच ग्रामीण व स्कूली बच्चे कर रहे आवाजाही

चिन्यालीसौड़। क्षेत्र में सक्रिय भूस्खलन के चलते लगातार पत्थर–मलबा गिरने से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। गमरी, दिचली, नेरी और तुल्याड़ा गांवों के ग्रामीणों के साथ छात्र–छात्राओं का नियमित आवागमन इसी मार्ग से होता है। ऐसे में मार्ग पर लगातार हो रहा भूस्खलन किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

समस्या को लेकर कनिष्ठ उप प्रमुख भानुप्रिया थपलियाल के नेतृत्व में ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल ने पुनर्वास निदेशक एवं टिहरी जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने डीएम को मार्ग पर हो रहे भूस्खलन से उत्पन्न खतरे और ग्रामीणों को आवाजाही में आ रही दिक्कतों से अवगत कराया।

ग्रामीण मां अष्टभुजा व मटीक ढोल देवता के साथ डोडीताल रवाना

उत्तरकाशी। साल्ड गांव के ग्रामीण बुधवार को अपने आराध्य देवी मां अष्टभुजा देवी और मटीक ढोल देवता के साथ डोडीताल के लिए रवाना हुए। गांव से डोडीताल तक धार्मिक यात्रा के दौरान जगह–जगह ग्रामीणों ने देवी–देवताओं का फूल–मालाओं से स्वागत किया। वहीं, अगोड़ा गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने साल्ड से पहुंचे श्रद्धालुओं और देवी–देवताओं का भव्य स्वागत किया।

बुधवार को साल्ड गांव की थात पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हुए। यहां विधिविधान से मां अष्टभुजा देवी और मटीक ढोल देवता की विशेष पूजा–अर्चना की गई। इसके बाद ग्रामीण पारंपरिक रीति–रिवाजों के साथ डोडीताल के लिए रवाना हुए। यात्रा को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह नजर आया।

साल्ड गांव निवासी अवतार सिंह मेहर और सुरेश नौटियाल ने बताया कि इस धार्मिक यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने मटीक ढोल देवता का पुनर्निर्माण कराया है। डोडीताल पहुंचने के बाद देवता की विधिवत शुद्धीकरण पूजा की जाएगी। वहीं, अगोड़ा गांव में ग्रामीणों ने फूल–मालाओं से स्वागत कर धार्मिक यात्रा का उत्साह बढ़ाया।

संपादकीय

राखी के सहारे बल प्रदर्शन

सामाजिक जीवन और राजनीति के बीच एक बड़ा अंतर है और जब बात त्योहारों की हो तो यह अंतर यहां भी नजर आता है। उत्तराखंड में राखी के बहाने वोट बैंक साधने की सियासत की नजर आने लगी है जिसकी बानगी राजधानी देहरादून की मसूरी विधानसभा सीट की उठापटक के बीच देखने को मिली है। मसूरी विधानसभा सीट के विधायक गणेश जोशी रक्षाबंधन पर एक बड़ा आयोजन बुलाते हैं जिसमें सैकड़ो महिलाओं से राखी बंधवाते हैं। यही नहीं कार्यक्रम में सुबह के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल होते हैं जो उनकी तारीख के कसीदे बांधने से पीछे नहीं हटते और यह भी सुनिश्चित कर जाते हैं कि मसूरी सीट पर वही उम्मीदवार होंगे। असल में विधानसभा चुनाव से पूर्व मसूरी सीट पर पूर्व मेयर सुनील उनियाल की दावेदारी ने सरकार और संगठन तक को हिला कर रख दिया है क्योंकि इस सीट पर गणेश जोशी का दबदबा रहा है और एकाएक उनके प्रभाव वाली सीट पर दावेदारी उठाना सरकार और संगठन को रास नही आ रहा है। इस सीट पर अपनी ताकत दिखाने के बहाने ही रक्षाबंधन का यह पर्व आयोजित किया गया लेकिन यहां भी कई महिलाएं आयोजन को लेकर नाराज नजर आई। अब सवाल यह उठता है कि क्या वाकई तैयार होगी कोई गरिमा रह गई है या फिर इन्हें केवल एक राजनीतिक स्वरूप देने के लिए अवसर के तौर पर भुनाया जा रहा है। रक्षाबंधन भारतीय संस्कृति का एक पावन पर्व है, जो भाई–बहन के स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के वचन का प्रतीक माना जाता है। लेकिन लोकतंत्र में त्योहार केवल सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व तक सीमित नही रहते, वे राजनीति का भी माध्यम बन जाते हैं। उत्तराखंड में भी राखी का पर्व कई बार राजनीतिक संदेश देने और जनसंपर्क बढ़ाने का अवसर बन जाता है। उत्तराखंड की राजनीति लंबे समय से भावनात्मक मुद्दों के इर्द–गिर्द घूमती रही है। राखी जैसे त्योहार पर राजनीतिक दल महिलाओं के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने और संवेदनशील छवि प्रस्तुत करने का प्रयास करते हैं। नेताओं द्वारा बहनों से राखी बंधवाना, महिला समूहों से संवाद करना और महिला सुरक्षा के वादे करना आम दृश्य बन चुके हैं। किंतु सवाल यह है कि क्या यह संवाद केवल त्योहार तक सीमित रहता है या फिर महिलाओं की वास्तविक समस्याओं के समाधान तक भी पहुंचता है? उत्तराखंड की महिलाएं आज भी पलायन, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, जल संकट, वन्यजीवों के आतंक और रोजगार जैसी अनेक चुनौतियों से जूझ रही हैं। यदि राखी के अवसर पर किए गए वादे इन समस्याओं के समाधान में नहीं बदलते, तो ऐसे आयोजन केवल राजनीतिक प्रतीकवाद बनकर रह जाते हैं। हालांकि जनता और जनप्रतिनिधि के बीच में संवाद का एक माध्यम होना चाहिए लेकिन इसके लिए किसी पवित्र पर्व को एक हथकंडे के रूप में प्रयोग किया जाए यह उचित नहीं है। इसे महज एक आयोजन बनाना ठीक नही खास तौर पर उन परिस्थितियों में जब महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हो। त्योहारों के बल पर अपनी ताकत दिखाने की यह प्रवृत्ति राजनीति में कोई नई बात नहीं है। ऐसे आयोजनों की सफलता तभी है जब इसके परिणाम धरातल पर दिखाई दें। राखी का संदेश केवल रक्षा का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का भी है। राजनीति में भी यही सिद्धांत लागू होना चाहिए। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण केवल भाषणों या प्रतीकात्मक कार्यक्रमों से नहीं, बल्कि ठोस नीतियों और प्रभावी क्रियान्वयन से सुनिश्चित होगा। राखी के अवसर पर राजनीति की ढाल बनाने की अपेक्षा भावनात्मक संदेशों से आगे बढ़कर महिलाओं के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने की दिशा में काम करना होगा तभी यह पर्व राजनीतिक अवसर नही, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकेगा।

आतंकवाद के लिए खाद पानी है नशीले द्रव्यों की तस्करी!

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में नशीले पदार्थों (ड्रग्स) की तस्करी देश की आंतरिक सुरक्षा, जन स्वास्थ्य और युवा पीढ़ी के भविष्य के लिए एक अत्यंत गंभीर संकट बन चुकी है। भौगोलिक रूप से भारत दुनिया के दो सबसे बड़े अफीम उत्पादक क्षेत्रों - पश्चिम में गोल्डन क्रेसेंट (अफगानिस्तान, पाकिस्तान, ईरान) और पूर्व में गोल्डन ट्रायंगल (म्यांमार, लाओस, थाईलैंड) के बीच स्थित है। इस संवेदनशील स्थिति के कारण देश में सीमा पार से बड़े पैमाने पर अवैध नशीले पदार्थों की आमद हो रही है।

नशीले पदार्थों की तस्करी में भारत की भौगोलिक स्थिति भी खासा जिम्मेदार है पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार से सटी खुली और जटिल जमीनी सीमाएं निगरानी के लिए एक बड़ी चुनौती है ।तस्करों द्वारा गुजरात और दक्षिणी राज्यों के विशाल तटीय क्षेत्रों का दुरुपयोग किया जा रहा है ।अब नशे के सौदागर तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं ड़ार्कनेट क्रिप्टो करेंसी और सीमा पार से ड्रग्स गिराने के लिए ड्रोन का बढ़ता प्रयोग खतरा बढ़ा रहे हैं वहीं पारंपरिक अफीम-गांजे के स्थान पर हेरोइन, कोकीन और मेथामफेटामाइन जैसे घातक रसायनों सिंथेटिक ड्रग्स का बढ़ता चलन भी समस्या बन रहा है।

आपको बता दें कि देश में नशे और नशीले पदार्थों की तस्करी ने एक बार फिर केन्द्र और राज्यों की सरकारों को स्तब्ध किया है। नशीले पदार्थों की यह तस्करी का बड़ा हिस्सा पड़ोसी देश पाकिस्तान के माध्यम से सीमा पार से ड्रोनों के जरिये किया जाता है। नशे को लेकर किये गये एक व्यापक सर्वेक्षण के अनुसार पाकिस्तान एक प्रकार से नशीले पदार्थों के भण्डारण का केन्द्र बन गया है जहां से इन पदार्थों का बहुत बड़ा भाग भारत के पंजाब प्रांत में ड्रोनों के जरिये खपाया जाता है। भारत से फिर यह सामान तस्करी के जरिये कई अन्य देशों में भेजा जाता है जहां इसकी बड़ी मांग होती है। पाकिस्तान से भारत में पंजाब सीमा के माध्यम से नशीले पदार्थों की तस्करी यूं तो दशकों पूर्व से की जाती आ रही है। कभी नावों के माध्यम से, कभी सुरंगों के जरिये पाकिस्तानी पंजाब के सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम और हेरोइन की तस्करी की जाती रही है। तथापि, आजकल नावों का कार्य ड्रोनों से लिया जाने लगा है। ड्रोनों के जरिये पाकिस्तानी सीमा-पार से भारतीय पंजाब में अफीम, हेरोइन के साथ हथियारों की खेप भेजना जैसे आम बात हो गई है वैसे तो नशे के लिए अफीम, चरस, कोकीन आदि अनेकानेक द्रव्यों एवं पदार्थों का इस्तेमाल किया जाता है किन्तु वर्तमान में हेरोइन सर्वोत्तम नशीला पदार्थ बन गया है। हाल ही में एक और बड़ा खतरनाक नशीला पदार्थ आईस भी बड़ी चर्चा में आया है। विगत कई वर्षों से हेरोइन की तस्करी और इसके सेवन की मात्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है। इसका बड़ा प्रमाण इस एक तथ्य से मिल जाता है कि इन दिनों सीमाओं पर विशेष सुरक्षा चौकसी होने के बावजूद तस्करी से बरामद होने वाली खेपों की संख्या और मात्रा बढ़ गई है। इसके लिए तस्करों द्वारा अत्याधुनिक तकनीकों का भी उपयोग किया जाने लगा है। सीमा सुरक्षा बलों की निरन्तर चौकसी और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। पिछले पांच वर्षों में पंजाब सीमा पर ड्रोन तस्करी की घटनाएं बढ़ कर तीन से 304 प्रति वर्ष तक हो गई हैं। नशीले पदार्थों की तस्करी के संबंध में स्थितियों की गम्भीरता को पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा की गई इस एक कठोर टिप्पणी से बेहतर समझा जा सकता है कि नशे का यह सम्पूर्ण कारोबार महज एक आपराधिक कार्य मात्र नहीं रह गया, अपितु राष्ट्र और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

यूं तो नशे के सेवन और नशीले पदार्थों की तस्करी से गुजरात, महाराष्ट्र, हिमाचल, चंडीगढ़, राजधानी दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान जैसे प्रदेश बड़ी समस्या से जूझ रहे हैं किन्तु पंजाब सबसे ज्यादा प्रभावित नजर आ रहा है। प्रदेश के युवाओं में नशे की समस्या एक गम्भीर संकट के रूप में उभर रही है। पंजाब सरकार की पुनर्वास योजनाओं के तहत प्रदेश का पुलिस तंत्र युवाओं को इस महारोग से बचाने के लिए भरसक यत्न कर रहा है किन्तु यह समस्या एक ऐसे बिगड़ैल घोड़े के समान हो गई है कि जिसकी नाक में आसानी से नकेल नहीं डाली जा सकती।

अभी हाल में अमृतसर के थाना लोपोके क्षेत्र में सीमा पार से आई लगभग 180 करोड़ रुपये की 19 किलो हेरोइन के साथ महिला सहित तीन तस्करों को हिरासत में लिया गया। नशा तस्करी में यह भी एक नई प्रवृत्ति सामने आई है कि अवयस्क बालकों को थोड़े से लालच के वशीभूत इस गैर-कानूनी कार्य में शामिल किया जा रहा है। महिलाओं एवं बच्चों की शमूलियत से इस अवैध क्रिया-कलाप को एक नया मोड़ मिला है। पिछले कुछ समय में पंजाब में पुलिस ने नशा तस्करी से जुड़े कई अवयस्कों और महिलाओं को भी हिरासत में लिया है। प्रदेश सरकार ने अपने ऑपरेशन प्रहार के दौरान लगभग 4000 तस्करों-गैंगस्टरों को गिरफ्तार भी किया है। इतने बड़े स्तर पर तस्करों की गिरफ्तारी, इतनी बड़ी मात्रा में हेरोइन की खेपों की बरामदगी से तस्करी पर काबू पाये जाने की सम्भावना बनती है, किन्तु इतनी बड़ी बरामदगी और बड़े स्तर पर युवाओं और अव्यवस्कों की भागीदारी से इस कारोबार की भीषणता भी जाहिर होती है। पंजाब सरकार के प्रहार अभियानों और प्रदेश के पुलिस तंत्र की सक्रियता से बेशक प्रदेश के लोगों के मन में आशा और विश्वास की एक लकीर उपजते दिखाई देती है, किन्तु हम समझते हैं कि लक्ष्य एवं उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाना भी बहुत जरूरी है। पुलिस तंत्र की सक्रियता कागजों में भी हो, किन्तु धरातल पर उसे दिखाई भी अवश्य देना चाहिए। कानून के हाथ लम्बे होते हैं, किन्तु ये हाथ अपराधियों और तस्करों के गिरेबान तक पहुंचने भी तो चाहिएं। कुछ भी हो अथवा कुछ भी किया जाए, देश को नशीले पदार्थों की तस्करी की इस लानत से मुक्ति मिलनी चाहिए।

देश की कामकाजी आबादी खासकर युवा और कालेज छात्र छात्राएं स्कूली बच्चे इसकी चपेट में आकर मानसिक और शारीरिक रूप से पंगु हो रहे हैं।नारको-टेररिज्म जड़ जमा रहा है। ड्रग्स की तस्करी से होने वाली अवैध कमाई का इस्तेमाल सीधे तौर पर भारत विरोधी आतंकवादी गतिविधियों और उग्रवाद की फंडिंग में किया जाता है। नशे की दैनिक तलब पूरी करने के लिए युवा चोरी, लूटपाट और संगठित अपराधों के रास्ते पर जा रहे हैं। अवैध काले धन और हवाला कारोबार के कारण देश की मुख्यधारा की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचता है।

ऐसा नहीं है कि सरकार को नशीले द्रव्यों की तस्करी और उसके कारण हो रही बबार्दी का भान नहीं है सरकार ने इस ओर नियंत्रण के लिए की प्रभावी कदम उठाए हैं। खुद प्रधानमंत्री ने अपने राष्ट्रीय संबोधन में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने और नशे के दुष्परिणामों से युवाओं को आगाह किया है। भारत सरकार ने नशे के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है. गृह मंत्रालय ने अगले 3 वर्षों में देश को पूरी तरह ड्रग-मुक्त बनाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026 - 2029 जारी किया है।हाल ही में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने यूएई से ?1,000 करोड़ के अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के मास्टरमाइंड वीरेंद्र सिंह बसोया का सफलतापूर्वक प्रत्यर्पण कराया गया है।डिजिटल कवच बनाया गया है नागरिकों की मदद के लिए राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 मानस शुरू की गई है, जिस पर लोग सीधे तस्करी की गुप्त सूचनाएं दे सकते हैं। तस्करों की संपत्तियों को कुर्क करने और पीआइटीएनडीपीएस अधिनियम के तहत आदतन अपराधियों को बिना जमानत जेल में रखने की कार्रवाई तेज कर दी गई है अभी और अधिक असरदार कारवाई और सख्ती की जरूरत है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

यूपीआई@10: भुगतान की दुनिया में भारत का नया अध्याय

सुनील कुमार महला

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) द्वारा विकसित यूपीआई यानी कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस भारत की एक तत्काल डिजिटल भुगतान प्रणाली है। सरल शब्दों में कहें तो यह वह माध्यम है, जिसके माध्यम से मोबाइल फोन से एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में तुरंत पैसे भेजे और प्राप्त किए जा सकते हैं। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत में यूपीआई को 11 अप्रैल 2016 को तत्कालीन रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया(आरबीआई) गवर्नर डॉ. रघुराम राजन ने मुंबई में लॉन्च किया था। हालाँकि, आम लोगों के लिए यूपीआई सेवाएँ अगस्त 2016 से व्यापक रूप से उपलब्ध हुईं। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में यूपीआई ने अपने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं। कहना गलत नहीं होगा कि यूपीआई ने भारत के डिजिटल भुगतान को पूरी तरह बदल दिया है।सच तो यह है यूपीआई आज भारत के दैनिक डिजिटल भुगतान तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। दूसरे शब्दों में कहें तो आज यूपीआई का उपयोग हर कहीं पर दुकानों और बाजारों में सामान खरीदने, रेस्तरां व होटल के बिल चुकाने, ऑनलाइन खरीदारी, मोबाइल रिचार्ज, बिजली-पानी-गैस जैसे उपयोगिता बिलों के भुगतान, रेल-बस-विमान टिकट बुकिंग, स्कूल-कॉलेज की फीस, अस्पतालों में भुगतान तथा एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजने के लिए किया जा रहा है। इसके अलावा छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े कारोबारी प्रतिष्ठानों तक डिजिटल लेन-देन में यूपीआई का व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। यानी आज यूपीआई भारत के दैनिक जीवन में नकद भुगतान के एक आसान, तेज और सुविधाजनक डिजिटल विकल्प के रूप में स्थापित हो चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि अन्य देशों की तुलना में भारत का यूपीआई डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में असाधारण पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2026 में यूपीआई दुनिया के लगभग 49% रियल-टाइम भुगतान लेन-देन को संभाल रहा है, यानी दुनिया में होने वाले लगभग हर दो तत्काल डिजिटल भुगतानों में एक यूपीआई के माध्यम से होता है। भारत में इसकी मात्रा भी तेजी से बढ़ी है और वित्त वर्ष 2025-26 में यूपीआई पर करीब 24,162 करोड़ लेन-देन हुए। मई 2026 में अकेले यूपीआई ने 23,201.93 मिलियन यानी लगभग 2,320 करोड़ लेन-देन किए, जिनका कुल मूल्य करीब रू.29.90 लाख करोड़ रहा। इस तुलना में भारत की खासियत यह है कि यूपीआई केवल बड़े शहरों या बड़े कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले, ग्रामीण उपभोक्ता और आम नागरिक तक इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यूपीआई अब 11 देशों में भी उपलब्ध है और वैश्विक स्तर पर भारत की डिजिटल भुगतान व्यवस्था का एक प्रमुख उदाहरण बन चुका है। अन्य शब्दों में कहें तो वर्ष 2016 में शुरू हुई यह व्यवस्था आज देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी है। पहले जहां डिजिटल भुगतान सीमित था, वहीं अब चायवाले, सब्जीवाले, छोटे दुकानदार और आम लोग भी आसानी से यूपीआई से पैसे ले-दे रहे हैं। एक दशक में यूपीआई लेन-देन में हुई भारी वृद्धि इसकी लोकप्रियता और लोगों के भरोसे को दिखाती है।यूपीआई से बैंकिंग आसान, तेज और सुविधाजनक हुई है। लोगों को नकदी निकालने के लिए बैंक जाने या लंबी कतार में खड़े होने की जरूरत कम हुई है। आज पलभर में ही दूर बैठे व्यक्ति को तुरंत पैसे भेजे जा सकते हैं। इतना ही नहीं, नकदी कम रखने से चोरी और लूट का जोखिम भी घटा है। डिजिटल भुगतान से लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगाने में मदद मिली है।यूपीआई की सफलता के पीछे डिजिटल इंडिया अभियान और इंटरनेट कनेक्टिविटी का विस्तार भी महत्वपूर्ण रहा है। देश में मोबाइल और ब्रॉडबैंड की पहुंच बढ़ने से डिजिटल भुगतान आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गया है। यही कारण है कि दूसरे देश भी यूपीआई जैसी भारतीय डिजिटल भुगतान व्यवस्था में रुचि दिखा रहे हैं।हालांकि, अभी कुछ चुनौतियां बाकी हैं। बैंक का सर्वर डाउन होना, अधिक ट्रैफिक के कारण भुगतान अटकना और गलती से गलत व्यक्ति को पैसे भेज देना जैसी समस्याएं लोगों के लिए परेशानी पैदा करती हैं। इन समस्याओं का स्थायी समाधान जरूरी है। कुल मिलाकर, यूपीआई केवल पैसे भेजने और लेने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल प्रगति और आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता का प्रतीक बन चुका है। दस साल की इसकी यात्रा बताती है कि जब तकनीक को आम आदमी की जरूरतों से जोड़ा जाता है, तो

वह समाज में बड़ा बदलाव ला सकती है। सच तो यह है कि यूपीआई के दस वर्ष केवल किसी डिजिटल भुगतान प्रणाली की सफलता के दस वर्ष नहीं, बल्कि भारत के तकनीकी आत्मविश्वास और डिजिटल परिवर्तन की एक उल्लेखनीय यात्रा हैं। इसने भुगतान को सरल, त्वरित और व्यापक बनाया तथा छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक को एक साझा डिजिटल मंच दिया। आज दुनिया के अनेक देश यूपीआई में रुचि ले रहे हैं और कई देशों में इसका उपयोग भी शुरू हो चुका है। यूपीआई ने साबित किया है कि भारत केवल डिजिटल तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि दुनिया को बड़े पैमाने पर अपनाने योग्य डिजिटल समाधान देने वाला देश भी है। आने वाले वर्षों में इसकी सफलता का अगला पड़ाव केवल लेन-देन की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सुरक्षित, समावेशी और वैश्विक डिजिटल भुगतान व्यवस्था को और मजबूत करना होगा।

शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा बेमानी

निर्मल रानी

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हकीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं।

हमारे देश में पिछले एक दशक से भारत को विश्वगुरु बनाने का ढोल पीटा जा रहा है। इसी विमर्श के समानांतर इस समय देश में शिक्षा को लेकर भी बड़ी बहस छिड़ी हुई है। अतः इसी सन्दर्भ में यह सवाल भी जरूरी हो गया है कि क्या शिक्षा के बिना या शिक्षित हुये बिना भी भारत विश्वगुरु बन सकता है ? नीति आयोग और शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि पिछले एक दशक में देशभर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल या तो पूरी तरह बंद किये जा चुके हैं या उनका अन्य स्कूलों में विलय कर दिया गया है। यूडीआईएसई अर्थात यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफोर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन के हालिया आंकड़े व नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, एक साल के भीतर देश भर में 4,791 स्कूल बंद हुए हैं। इसकी वजह से शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी निजी स्कूलों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परिणामस्वरूप शिक्षा गरीबों की पहुँच से दूर हो चुकी है। और जो स्कूल चल भी रहे हैं उनमें से अधिकांश की हालत किसी से छुपी नहीं है। यहाँ अक्टूबर 2022 की गुजरात की उस घटना का जिक्र भी प्रासंगिक है जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांधीनगर के अडालज में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस के शुभारंभ के दौरान अस्थाई रूप से बनाये गये एक मॉडल क्लासरूम में बच्चों के साथ बैठे नजर आये थे। सरकार के अनुसार, इस योजना का उद्देश्य गुजरात के सरकारी स्कूलों में स्मार्ट क्लास, कंप्यूटर लैब और डिजिटल बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण करना बताया गया था। उस समय विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि प्रधानमंत्री जिस क्लासरूम में बैठे थे, वह एक अस्थायी या कृत्रिम क्लासरूम था। संबंधित तस्वीरों का हवाला देते हुए दीवारों और खिड़कियों के पेंटिंग के स्टिकर होने का दावा किया गया था और इसे फोटो शूट करार दिया था। परन्तु अधिकारियों ने इसके जवाब में यह कहा था कि यह आगामी डिजिटल स्मार्ट स्कूलों का एक मॉडल प्रस्तुतीकरण था जो यह प्रदर्शित करने के लिए था कि भविष्य के क्लास रूम कैसे नजर आयेंगे। तो सवाल यह है कि गत चार वर्षों में मिशन स्कूल्स ऑफ एक्सीलेंस योजना के तहत अब तक उन मॉडल क्लासरूम की तरह देश में कितने आधुनिक क्लासरूम व आधुनिक स्कूल बनाये गये?

दूसरी ओर इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि

दिल्ली में अरविंद केजरीवाल सरकार के दौरान अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प ने 25 फरवरी 2020 को नई दिल्ली के मोतीबाग स्थित सर्वोदय सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का दौरा किया था। दिल्ली के सरकारी स्कूलों और यहाँ की शिक्षा व्यवस्था को देखने के लिए कई अन्य विदेशी मेहमान और प्रतिनिधिमंडल भी आ चुके हैं। समय-समय पर विभिन्न देशों के शिक्षाविद, राजनयिक और प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के सरकारी स्कूलों की बुनियादी संरचना, कक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों का निरीक्षण करने दिल्ली आते रहे हैं। क्या इसी तरह के आधुनिक सरकारी स्कूल पूरे देश में संचालित नहीं हो सकते? क्या वजह है कि देश के अधिकांश राज्यों में अनेकानेक सरकारी स्कूल भवन जर्जर हैं ? कहीं स्कूल में भैंसों के तबेले हैं तो कहीं पेड़ के नीचे व खुले आसमान तले क्लास लगाई जा रही है। कहीं क्लासरूम नहीं। कहीं अध्यापक नहीं तो कहीं बिजली व पीने का पानी नहीं तो कहीं शौचालय नहीं। कहीं बच्चे रोज नदी पार कर स्कूल आते जाते हैं तो कहीं कीचड़ और दलदल भरी गड्ढेदार सड़कों से गुजर कर स्कूल आना जाना होता है। यदि देश की सरकारें शिक्षा के प्रति गंभीर होतीं और उनका भारत को विश्वगुरु बनाने का ढिंढोरा महज ढोल पीटना न होता तो आज सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले को महाराष्ट्र में शिक्षा पर घटते बजट और सरकारी मराठी माध्यम के स्कूलों के बंद होने पर गहरी चिंता जताते हुये यह न कहना पड़ता कि नासिक कुंभ मेले के लिए लगभग रू.32,000 करोड़ का भारी-भरकम बजट तय किया गया है। अगर इस राशि का मात्र 0.1% यानी लगभग रू.32 करोड़ भी शिक्षा पर खर्च किया जाता, तो राज्य के 100 से 125 बंद हो रहे मराठी स्कूलों को बचाया जा सकता था। आखिर जस्टिस प्रसन्ना को क्यों कहना पड़ा कि देश में छात्रों की संख्या लगातार बढ़ रही है, लेकिन शिक्षा का बजट बढ़ने के बजाय घट रहा है, जो पिछले कई वर्षों से 13% के आंकड़े को भी नहीं छू सका है । उन्होंने गढ़चिरौली की एक घटना का उदाहरण भी दिया जहां जरूरी सुविधाओं की कमी के कारण फर्श पर सोने की वजह से तीन छात्राओं की सांप के काटने से मौत हो गई थी। जस्टिस प्रसन्ना ने यह भी बताया कि उन्होंने स्वयं 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई जिला परिषद के मराठी मीडियम स्कूल से की थी, जिसने उनके करियर में कभी बाधा नहीं डाली बल्कि उनके दृष्टिकोण को और व्यापक बनाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि प्राथमिक शिक्षा और स्वास्थ्य हर नागरिक का मूलभूत अधिकार है।

देश में बढ़ती बेरोजगारी, शिक्षा,शिक्षण संस्थाओं की कमी व दुर्दशा तथा परीक्षा व्यवस्था में होने वाली धांधलियों व पेपर लीक जैसे मुद्दों ने देश के युवाओं को आंदोलन करने पर मजबूर कर दिया है। इससे घबराई सरकार कहीं स्कूल की वीडिओ ग्राफी करने पर रोक लगा रही है तो कहीं शिक्षण संस्थाओं की हकीकत को उजागर करने वालों पर सत्ता समर्थित गुंडों द्वारा हमला किया जा रहा है। और कहीं सोशल मीडिया पर सरकारी स्कूल की अव्यवस्थाएं दिखाने पर लोगों को जेल भेजा जा रहा है। परन्तु इस बीच कुछ जगहों से सकारात्मक खबरें भी आनी शुरू हुई हैं। जैसेकि राजस्थान के रामपुरा के उस स्कूल का नवनिर्माण करने का फैसला किया गया है जहाँ कॉकरोच जनता पार्टी के कार्यकताओं के साथ सत्ता के समर्थक गुंडों ने मारपीट की थी। यह स्कूल भैंसों के तबेले में चल रहा था। स्कूल की इमारत जर्जर होने के कारण एक स्थानीय ग्रामीण ने अपनी निजी जगह दी हुई है, इसी जगह भैंसों का चारा भी रखा जाता है और बच्चे भी पढ़ते हैं। पंजाब से भी खबर है कि सरकार ने स्कूलों के अनेक नए भवन बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इन ग्रीनफील्ड भवनों का निर्माण मौजूदा जमीनों से परे अन्य खाली जमीनों पर नए सिरे से किया जाएगा। हरियाणा में भी शिक्षा मंत्री द्वारा सरकारी स्कूल्स का औचक निरीक्षण कर विद्यालय की व्यवस्थाओं एवं शैक्षणिक गतिविधियों का जायजा लेने व विद्यार्थियों से संवाद करने की खबर है। Gen Z और युवा पीढ़ी के आंदोलन से ही सही परन्तु शायद अब सत्ताधीशों को यह बात समझ आने लगी है कि शिक्षित राष्ट्र के बिना विश्व गुरु की अवधारणा पूरी तरह बेमानी है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

फिजी के मंदिरों में गूंज रहे भजन, सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को गर्व, विदेशी भी ले रहे प्रेरणा

सुवा, एजेंसी। भारत से हजारों किमी दूर प्रशांत महासागर के एक छोटे से द्वीप-राष्ट्र फिजी में भारतीय संस्कृति और हिंदू परंपराएं आज भी उतनी ही जीवंत हैं जितनी 19वीं सदी में गिरमिटिया मजदूरों के साथ वहां पहुंची थीं। श्रावण माह में यहां के मंदिर और सामुदायिक भवन में भक्ति-गीतों से सराबोर रहे। अगस्त में भजन जैमिंग 2026 कार्यक्रम युवाओं के लिए खास उत्साह का केंद्र रहा। यहां के राम मंदिर में अभी से रामलीला की तैयारियां भी की जाने लगी हैं। घरों में रामायण बजती है। सदियों की भारतीय परंपरा पर प्रवासियों को बेहद गर्व है और विदेशी भी परंपराओं के पालन की प्रेरणा ले रहे हैं। यहां के प्रमुख अखबार फिजी सन ने के मुताबिक, भजन जैमिंग कार्यक्रम में फिजी स्थित भारतीय-मूल के युवाओं ने पारंपरिक भजनों को समकालीन संगीत अंदाज में पेश किया। कार्यक्रम में बंदिश ग्रुप, सुकून ग्रुप और हनुमान चालीसा परिवार जैसी स्थानीय भजन-मंडलियों के साथ-साथ यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ पैसिफिक के भारतीय छात्र संगठन ने भी प्रस्तुति दी। फिजी में बॉलीवुड मुख्य रूप से फिल्म शूटिंग, रेडियो शो, कंसर्ट्स और स्थानीय इंडो-फिजीयन समुदाय की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है।

समृद्ध महासागर का हिस्सा- मिस्र के रेगिस्तान में कभी तैरती थीं विशाल शार्क मछलियां, क्रमिक रूप से हुआ विकास

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। मिस्र का रेगिस्तान करोड़ों साल पहले (लगभग 14.5 से 6.6 करोड़ वर्ष पूर्व) एक विशाल और समृद्ध महासागर का हिस्सा था। हाल ही में वैज्ञानिकों ने मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में स्थित अबू-तरतूर पठार पर शार्क के प्राचीन जीवाश्म और दांतों की खोज की है, जो इस बात का प्रमाण देते हैं कि यह सूखा क्षेत्र कभी समुद्री जीवों और विभिन्न प्रजातियों की शार्क का गढ़ था। मिस्र में प्राचीन शार्क के जीवाश्मों की खोज से जु?ी यह रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका %क्रिटेशियस रिसर्च% में प्रकाशित हुई है।मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान की चट्टानों से काहिरा विश्वविद्यालय के जीवाश्म विज्ञानी तारेक यासीन ने सात अलग-अलग शार्क प्रजातियों के दुर्लभ जीवाश्मों और शार्क के दांतों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में मिलने वाले दांतों की आकृतियां अलग-अलग हैं। कुछ सुई जैसी नुकीली हैं तो कुछ चौड़ी और आरी के आकार की हैं, जो शिकार के अनुकूल थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्राचीन काल में यहां गहरी समुद्री धाराएं चलती थीं जो पानी की सतह पर पोषक तत्व लाती थीं। इससे प्लवक और छोटी मछलियों का विकास हुआ, जिस कारण यह पूरा क्षेत्र शार्क जैसे बड़े शिकारियों के लिए आदर्श स्थान था।

सूडान में 59 हजार मौतों के बाद अमेरिका सख्त, ह्र से पूरे देश में हथियार बैन की मांग; बढ़ेगा दबाव

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। सूडान में जारी युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अरब और अफ्रीकी मामलों के वरिष्ठ सलाहकार मासाद बोलोस ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंधों के जरिए युद्ध में शामिल दोनों पक्षों पर बातचीत के लिए दबाव बढ़ाया जा सकता है। सूडान में चल रही इस लड़ाई में अब तक कम से कम 59 हजार लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब 1.3 करोड़ लोग विस्थापित हुए हैं। देश के कई हिस्से अकाल की चपेट में हैं। बोलोस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि सूडानी सेना और प्रतिद्वंद्वी अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज को मिल रहा वित्तीय, सैन्य और राजनीतिक समर्थन संघर्ष को लंबा खींच रहा है। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया, लेकिन मिस्र सूडान की सेना का खुलकर समर्थन करता रहा है। वहीं, संयुक्त अरब अमीरात पर ह्र विशेषज्ञों और मानवाधिकार संगठनों ने ऋस्न्न को हथियार मुहैया कराने का आरोप लगाया है। इन आरोपों से इनकार करता रहा है। अमेरिका ने सुरक्षा परिषद के सामने एक प्रस्ताव रखा है, जिसमें सूडान के पूरे क्षेत्र में हथियारों पर प्रतिबंध लगाने की बात कही गई है। मौजूदा प्रतिबंध मुख्य रूप से पश्चिमी दारफुर क्षेत्र तक सीमित है। प्रस्ताव में सूडान में सक्रिय सभी पक्षों पर प्रतिबंध लागू करने और ड्रोन व उनसे जुड़ी तकनीक को भी हथियार प्रतिबंध के दायरे में रखने की बात कही गई है। अमेरिकी प्रस्ताव में सभी देशों से सूडान के युद्धरत पक्षों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष सैन्य, वित्तीय और लॉजिस्टिक मदद बंद करने की मांग की गई है। अमेरिका का कहना है कि बाहरी सहायता युद्ध को जारी रखने और शांति प्रयासों को कमजोर करने में भूमिका निभा रही है।

अमेरिका में एआई की वजह से नहीं जाएगी शिक्षकों की नौकरी: शिक्षा मंत्री बोलीं- मशीन नहीं ले सकता इंसान की जगह

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी शिक्षा मंत्री लिंडा मैकमोहन ने सोमवार को कहा कि स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाया जाना चाहिए, लेकिन इसके इस्तेमाल के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय और स्पष्ट सीमाएं तय होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि⁄द्ध को कभी भी शिक्षकों के विकल्प के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मैकमोहन ने कहा कि⁄द्ध अब शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा बन चुका है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि तकनीक चाहे जितनी विकसित हो जाए, कक्षा में शिक्षक और छात्रों के बीच मानवीय संवाद की जगह नहीं ले सकती।

एआई को अपनाना जरूरी, लेकिन सुरक्षा उपाय भी हों : मैकमोहन ने कहा कि सरकार ने फिलहाल⁄एआई को रेगुलेट करने के बारे में विस्तार से चर्चा नहीं की है, लेकिन वह शिक्षा के क्षेत्र में इस तकनीक को अपनाने पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा कि⁄द्ध आ चुका है और स्कूलों को इससे दूरी बनाने के बजाय इसका सही तरीके से इस्तेमाल करना सीखना होगा। उन्होंने ऑस्टिन, टेक्सास के अल्फा स्कूल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने वहां⁄द्ध को वास्तविक कक्षा में काम करते हुए देखा है। उनके मुताबिक, इस तकनीक को अपनाने के साथ कुछ नियम और सुरक्षा सीमाएं तय करना भी जरूरी है, ताकि इसका इस्तेमाल छात्रों के हित में हो।

शिक्षक की जगह नहीं ले सकता एआई : अमेरिकी शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि⁄एआई का इस्तेमाल शिक्षक के विकल्प के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा में शिक्षक और छात्र के बीच प्रत्यक्ष मानवीय संपर्क बेहद महत्वपूर्ण है। मैकमोहन के मुताबिक, तकनीक बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है, लेकिन शिक्षा केवल जानकारी हासिल करने का नाम नहीं है। कक्षा में शिक्षक का मार्गदर्शन, संवाद और बच्चों की व्यक्तिगत जरूरतों को समझना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

कमजोर छात्रों से लेकर तेज छात्रों तक : मैकमोहन ने एआई के संभावित फायदों को गिनाते हुए कहा कि यह बच्चों के लिए एक व्यक्तिगत ट्यूटर की तरह काम कर सकता है। जो छात्र किसी विषय में पीछे रह गए हैं, वे⁄द्ध की मदद से पाठ दोबारा समझ सकते हैं और अपनी गति से अभ्यास कर सकते हैं। वहीं, जो छात्र अपनी कक्षा के स्तर से आगे हैं, उनके लिए⁄द्ध ज्यादा उन्नत सामग्री और चुनौतीपूर्ण पाठ उपलब्ध कराने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगर इस तकनीक का सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह छात्रों के लिए एक बेहद उपयोगी अवसर साबित हो सकती है।

शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की तैयारी : मैकमोहन ने ट्रंप प्रशासन की शिक्षा विभाग में बड़े बदलाव की योजना पर भी बात की। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शिक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव के पक्ष में हैं और चाहते हैं कि कई जिम्मेदारियां संघीय सरकार से वापस राज्यों को दी जाएं। मैकमोहन के मुताबिक, ट्रंप का मानना है कि दशकों तक भारी खर्च के बावजूद अमेरिकी छात्रों के परीक्षा परिणाम लगातार कमजोर हुए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर उनसे कहा था कि देश अपने बच्चों के लिए अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाया है और अब इसमें बड़े बदलाव की जरूरत है।

3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च, फिर भी टेस्ट स्कोर में गिरावट : मैकमोहन ने कहा कि अमेरिकी शिक्षा विभाग 1980 में अस्तित्व में आया और तब से शिक्षा पर 3 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा खर्च किए जा चुके हैं। इसके बावजूद छात्रों के टेस्ट स्कोर में लगातार गिरावट देखने को मिली है। उन्होंने इसी आधार पर तर्क दिया कि मौजूदा संघीय शिक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। उनका कहना है कि शिक्षा से जुड़ी ज्यादा जिम्मेदारियां राज्यों को सौंपने से स्थानीय स्तर पर निर्णय लेने और स्कूलों की जरूरत के मुताबिक नीतियां बनाने में मदद मिल सकती है। मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा विभाग को पूरी तरह खत्म करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी। इसलिए प्रशासन फिलहाल यह दिखाने की कोशिश कर रहा है कि विभाग की कुछ जिम्मेदारियां दूसरी संघीय एजेंसियां ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकती हैं। उन्होंने बताया कि प्रशासन विभिन्न विभागों के बीच अंतर-एजेंसी समझौते कर रहा है और कुछ कार्यक्रमों तथा जिम्मेदारियों को दूसरी एजेंसियों को सौंपने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। मैकमोहन के अनुसार, इस प्रक्रिया का उद्देश्य कांग्रेस के सामने यह साबित करना है कि शिक्षा से जुड़े कुछ काम शिक्षा विभाग के बाहर भी प्रभावी तरीके से किए जा सकते हैं।

राज्यों को ज्यादा अधिकार देने की तैयारी : मैकमोहन ने कहा कि शिक्षा को राज्यों के स्तर पर वापस ले जाना ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उनका तर्क है कि स्थानीय और राज्य सरकारें अपने छात्रों की जरूरतों को संघीय सरकार की तुलना में ज्यादा बेहतर तरीके से समझ सकती हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग को मुख्य रूप से कांग्रेस द्वारा स्वीकृत धनराशि को आगे पहुंचाने वाली संस्था के रूप में भी वर्णित किया। उनके मुताबिक, विभाग के कई कार्यक्रम ऐसे हैं जो शिक्षा विभाग के गठन से पहले दूसरी संघीय एजेंसियों के माध्यम से संचालित होते थे।

ट्रंप को सुप्रीम कोर्ट से राहत-पोस्टल बैलेट से मतदान संबंधी आदेश को मिली मंजूरी, मध्यावधि चुनाव पर क्या असर

वाशिंगटन, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के डाक मतपत्र से मतदान को प्रतिबंधित करने वाले कार्यकारी आदेश को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ कर दिया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उनका प्रशासन आगामी मध्यावधि चुनावों से पहले इसे कितना लागू कर पाएगा। इस निर्णय से अतिरिक्त अदालती चुनौतियों की संभावना बनी हुई है, जो ट्रंप के आदेश को और धीमा कर सकती हैं। अमेरिकी डाक विभाग ने पिछले सप्ताह आदेश को लागू करने की अपनी योजना बताई थी। दरअसल, कुछ राज्यों में कुछ ही हफ्तों में मतदाताओं को डाक मतपत्र भेजने की प्रक्रिया शुरू होगी, जिससे बड़े बदलाव लागू करने के लिए समय कम है। ट्रंप लंबे समय से डाक मतपत्र मतदान को धोखाधड़ी का जरिया बताते रहे हैं, हालांकि इसके विपरीत मजबूत सबूत मौजूद हैं। उन्होंने स्वयं भी इस मतदान पद्धति का उपयोग किया है। न्याय विभाग ने उच्च न्यायालय से मध्यावधि चुनावों से पहले परिवर्तनों को लागू करने की अनुमति देने के लिए एक आपातकालीन अपील दायर की थी। ट्रंप के कार्यकारी आदेश पर मार्च में हस्ताक्षर किए गए थे। यह उनके प्रशासन से योग्य मतदाताओं की सूची बनाने और अमेरिकी डाक विभाग को केवल उन सूचियों में शामिल लोगों को डाक मतपत्र वितरित करने का आदेश देता है।

आदेश को चुनौती और अदालती निर्णय : 23 राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के डेमोक्रेटिक अधिकारियों ने इस आदेश को रोकने के लिए मुकदमा दायर किया था। उन्होंने तर्क दिया कि संविधान राज्यों और कांग्रेस को चुनाव कराने की शक्ति देता है। ट्रंप के बदलावों से अराजकता और पक्षपातपूर्ण दुरुपयोग हो सकता है। राज्यों के वकीलों ने लिखा, इस गिरावट के चुनावों के इतने करीब ऐसे परिवर्तनकारी बदलावों को प्रभावी होने के परिणाम अत्यधिक होंगे।% मैसाचुसेट्स में एक न्यायाधीश ने उन राज्यों में मध्यावधि चुनावों के लिए योजना को रोक दिया था। एक अपील अदालत ने उनके फैसले को बरकरार रखा। बाद में उन्होंने इसे देशव्यापी रूप से रोकने का दूसरा आदेश दिया। ट्रंप प्रशासन ने जुलाई के अंत में प्रक्रियात्मक आधार पर सुप्रीम कोर्ट में अपील की। उन्होंने तर्क दिया कि राज्यों ने बहुत जल्दी मुकदमा दायर किया था। उन्होंने वाशिंगटन से आए एक अन्य फैसले का भी हवाला दिया, जहां एक न्यायाधीश ने ट्रंप के आदेश को आगे बढ़ने की अनुमति दी थी।

ईरान में युद्ध और महंगाई के बीच युवाओं का सुकून भी छिना, दर्जनों कैफे सील, क्या चाहती है हुकूमत

लैली निकूनाजार/येगाने तोरबाती, तेहरान, एजेंसी। युद्ध के साये, आसमान छूती महंगाई और रोजगार के घटते अवसरों के बीच ईरान की युवा पीढ़ी के पास सामान्य जिंदगी जीने का सिर्फ एक ही सस्ता जरिया बचा था-शाम के वक्त दोस्तों के साथ किसी कॉफी शॉप में बैठकर थोड़ा वक्त सुकून से काटना। लेकिन फुटपाथ में कुर्सियों पर पसरे युवा, सिगरेट का धुआं, बेपरवाह गपशप और कभी-कभार छिपाकर बीयर पीने (जिसकी सजा देश में कोड़े हैं), वाले ये दृश्य कट्टरपंथी हुकूमत को खामोश बगावत नजर आने लगे। नतीजा, पुलिस-प्रशासन कैफे बंद कराने लगा।

राजधानी तेहरान समेत देश के कई शहरों में हाल में दर्जनों कैफे, रेस्टोरेंट और बुटीक सील किए?गए?हैं। वैसे तो वजह यही बताई गई कि अनिवार्य हिजाब कानून और इस्लामी मूल्यों की अनदेखी हो रही है। लेकिन तेहरान के कैफे मालिक आमिर का कहना है कि यह हुकूमत की बेचैनी और युद्ध से थके समाज को नियंत्रित करने की कोशिश है। आमिर कहते हैं, हम खुद को यही तसल्ली देते हैं कि यह सिर्फ एक लहर है। ईरान के कॉफी शॉप कल्चर पर किताब लिखने वाली हालेह मीर मीरी के अनुसार, इसमें युवा जिंदगी जीने के वैकल्पिक रास्ते तलाशते हैं। तेहरान की आर्टिस्ट मोना कहती हैं, कैफे छोटे होने से लोग फुटपाथ पर खड़े होकर बातें करने लगते हैं। पुलिस को लगता है कि यह प्रदर्शन की तैयारी है। ईरान में कैफे के आसपास इस तरह युवाओं की भीड़ जुटने को सरकार संभावित प्रदर्शन से जोड़कर देख रही है। यही नहीं, सार्वजनिक जगह पर हावी होने की कोशिश में भी सरकार कड़े कदम उठा रही है। क्योंकि युद्ध की अनिश्चितता के बीच हुकूमत अपने समर्थन में रैलियां निकाल रही है। ऐसे माहौल में कैफे का यह आजाद माहौल सरकारी नैरेटिव को सीधी चुनौती देता है। ईरान में इन दिनों एक पुराना सामाजिक और सांस्कृतिक टकराव फिर से भड़क उठा है। ईरान की राजधानी तेहरान और ऐतिहासिक शहर शिराज की सड़कों पर आजकल एक अलग ही नजारा देखने को मिल रहा है।

ट्रंप का बड़ा खुलासा- दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे शी जिनपिंग, व्हाइट हाउस में बन रहा 'चीन जैसा' ग्रेट हॉल

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को खुलासा किया है कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग करीब दो हफ्ते में अमेरिका आएंगे। ट्रंप ने यह घोषणा व्हाइट हाउस के पास निर्माणाधीन नए बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए की। उन्होंने परियोजना की तुलना चीन के 'ग्रेट हॉल' से की और साथ ही नए हेलीपोर्ट को भी वर्षों से लंबित जरूरत बताया। हालांकि, शी की यात्रा को लेकर अभी चीन या व्हाइट हाउस की ओर से आधिकारिक कार्यक्रम और अन्य विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। ट्रंप ने यह जानकारी व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में आयोजित 'बैक-टू-स्कूल' कार्यक्रम की शुरुआत के दौरान दी। हालांकि, उन्होंने शी जिनपिंग के साथ होने वाली बातचीत की तारीख, कार्यक्रम और यात्रा से जुड़ी अन्य

जानकारियां साझा नहीं कीं। ट्रंप ने कहा,राष्ट्रपति शी दो हफ्ते में आ रहे हैं। मैं दो महीने पहले चीन गया था और हमने चीन का 'ग्रेट हॉल' देखा था। अब अमेरिका में भी हमारा अपना 'ग्रेट हॉल' होगा। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है, बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है।÷

ट्रंप ने व्हाइट हाउस परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों से इस प्रस्तावित कॉम्प्लेक्स को जोड़ते हुए बताया कि परियोजना में एक भव्य बॉलरूम के साथ-साथ एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स भी शामिल होगा। उन्होंने कहा, जैसा कि आप जानते हैं, हम वहां एक मिलिट्री कॉम्प्लेक्स और एक बॉलरूम बना रहे हैं, जो दुनिया में अपनी तरह का सबसे बेहतरीन होगा। शिक्षा पर अपनी बात रखने के बाद राष्ट्रपति एक बार फिर निर्माण कार्य की चर्चा पर लौट आए। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद छात्रों और उनके परिवारों को अपने साथ निर्माण स्थल देखने के लिए आमंत्रित किया। ट्रंप ने कहा, आप ठीक बगल में व्हाइट हाउस के पास बन रही शानदार इमारत देखेंगे। वही बॉलरूम और मिलिट्री कॉम्प्लेक्स होगा। यह अद्भुत है। उन्होंने बताया कि प्रशासन व्हाइट हाउस में एक नया हेलीपोर्ट भी बना रहा है। ट्रंप के मुताबिक, पहले हेलीकॉप्टरों को घास पर उतरना पड़ता था, जिससे गीले मौसम में परेशानी और सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा होते थे। ट्रंप ने कहा, हम एक सुंदर हेलीपोर्ट बना रहे हैं, जिसकी मांग कई वर्षों से की जा रही थी। हेलीकॉप्टर को गीली घास पर उतरना पड़ता था, जो खराब और खतरनाक था।%रोज गार्डन में जुटे बच्चों को निर्माण कार्य दिखाने को लेकर ट्रंप खासे उत्साहित नजर आए। उन्होंने निर्माण स्थल से आने वाली आवाजों का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें निर्माण कार्य की आवाज पसंद है। ट्रंप ने कहा, मुझे निर्माण कार्य की आवाज बहुत पसंद है। जब मैं बाहर वह शोर-शराबा सुनता हूं।

चीन में भारतीय फैशन का जलवा, कुर्ते से साड़ी तक का बढ़ा क्रेज; क्यों पसंद आ रहा देसी अंदाज

शंघाई/बीजिंग, एजेंसी। पश्चिमी देशों और रूस में भारतीय एथनिक फैशन की पहचान बनने के बाद अब चीन जैसे पड़ोसी देश में भी भारतीय पहनावे का नया क्रेज देखा जा रहा है। बीजिंग से शंघाई तक चीनी युवा सलवार-कुर्ती और इंडो-वेस्टर्न फ्यूजन आउटफिट्स पहनकर सड़कों पर निकल रहे हैं तो महिलाओं को भी साड़ी में देखा जा रहा है। लोग पलिनन के लंबे-छोटे कुर्तों को डेनिम जींस, ट्राउजर और वाइट स्नीकर्स के साथ पेयर करके मिनिमलिस्टिक लुक अपना रहे हैं। चीन के उमस भरे मौसम में सांस लेने योग्य भारतीय कॉटन, खादी और चंदेरी फैब्रिक की भारी मांग है। श्याओहांगशू (रेड बुक) ट्रेंड्स डाटा के मुताबिक, शंघाई के प्रसिद्ध अंफु रोड और उहांग रोड जैसे स्ट्रीट-फैशन हब्स पर कुर्ता-डेनिम लुक छाया हुआ है। शैनक्सी

साउथ रोड के मल्टी-ब्रांड बुटीक में भी भारतीय फैब्रिक हावी है। वहीं, बीजिंग के सानलीतुन स्ट्रीट जोन और ताइगू ली एवेन्यू पर युवा कुर्तों को डेनिम व स्नीकर्स के साथ स्टाइल कर रहे हैं। चीनी अखबार चायना डेली की रिपोर्ट के मुताबिक, फैशन शो और बीटूबी मीट्स में लेबलहुड की संस्थापक ताशा लियू ने इस फ्यूजन ट्रेंड को बढ़ावा दिया, जिसके बाद ताओबाओ और श्याओहांगशू के सेलर नेटवर्क ने भारी मात्रा में बल्क ऑर्डर्स प्रोसेस किए हैं।

फैशन शो और बीटूबी मीट्स के दौरान चीनी रिटेलर्स ने भारतीय टेक्सटाइल और फ्यूजन वियर के लिए 12 लाख डॉलर (10 करोड़ रुपये) के शुरुआती सप्लाई ऑर्डर्स दिए हैं, जो बहुत बड़ी रकम है। 6 माह के दौरान चीनी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स (ताओबाओ व टीमाल) पर इंडियन स्टाइल एथनिक कुर्ती और मसाला चाय मिक्स की बिक्री 45त्न तक बढ़ गई है।

चीन के मेट्रो शहरों (शंघाई, बीजिंग और चेंगदू) में इन दिनों भारतीय लाइफस्टाइल और एथनिक फैशन का एक अनोखा उभार देखने को मिल रहा है। चीन के सबसे बड़े लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म श्याओहांगशू पर भारतीय पहनावे, इंडो-फ्यूजन स्टाइलिंग और आयुर्वेदिक हर्बल प्रोडक्ट्स के ट्रेंड्स की बाढ़ आ गई है। खास तौर पर साड़ियों का भी चलन खूब देखने को मिल रहा है।

रेड कार्पेट और फैशन शो में लंबी कतारें = शंघाई के अंतरराष्ट्रीय फैशन कॉरिडोर में ईस्ट-मीट्स-वेस्ट फ्यूजन शो और बीजिंग कल्चरल एक्सपो हुआ, जिसमें भारतीय एथनिक व इंडो-वेस्टर्न डिजाइनों का प्रदर्शन हुआ। चीनी फैशन इन्फ्लुएंसर ली जियाओयान शंघाई की प्रसिद्ध स्टाइलिस्ट चेन वेई ने भारतीय चंदेरी, बनारसी और ब्लॉक-प्रिंट सिल्क के साथ आधुनिक कट-आउट्स का प्रयोग कर रेड कार्पेट पर धूम मचाई। इस 3 दिनी शो में 15,000 से अधिक दर्शक व खरीदार मौजूद रहे।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो पर सख्ती; टिकटॉक समेत इन प्लेटफॉर्म को सरकार की चेतावनी, क्या कहा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को टिकटॉक और दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से कहा कि वे खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वाले वीडियो हटाएं। सरकार ने इन वीडियो को वायरल होने से रोकने को कहा है। यह कदम एक सड़क हादसे में दो पुलिस अधिकारियों और पांच युवकों की मौत के बाद उठाया गया है। हादसे के समय एक कार सड़क की गलत दिशा में जा रही थी। शनिवार को अधिकारी मैथ्यू ब्लेड्स और टॉम क्लॉ की मौत हो गई। उत्तर-पूर्वी इंग्लैंड में एक वोक्सवैगन कार सड़क पर गलत दिशा में जा रही थी। इसी दौरान वह पुलिस अधिकारियों की गाड़ी से टकरा गई। कार में सवार पांच लोगों की भी मौके पर मौत हो गई। इनमें तीन लड़के थे। उनकी उम्र 17 और 18 साल थी। दो अन्य पुरुष थे। दोनों की उम्र 23 साल थी।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो क्यों चिंता बढ़ा रहे हैं : यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब सोशल मीडिया में उन वायरल वीडियो को लेकर चिंता बढ़ी है, जिनमें लोग खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते दिख रहे हैं। ऐसे वीडियो खुद गाड़ी चलाने वाले लोग पोस्ट करते हैं। कई बार गाड़ी में बैठे दूसरे लोग भी इन्हें सोशल मीडिया पर डालते हैं। ब्रिटिश मीडिया की खबरों के मुताबिक, शनिवार को वोक्सवैगन कार में मारे गए लोगों में से एक ने पहले भी ऐसा वीडियो पोस्ट किया था। ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने कहा कि सरकार ने टिकटॉक और ऐसी दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से ऐसे खराब कंटेंट को हटाने और अपनी कार्रवाई तेज करने को कहा है। उन्होंने बीबीसी से कहा, हमने उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बात की है, जहां सड़कों पर इस तरह के खतरनाक व्यवहार का जश्न मनाने वाला कंटेंट डाला जा रहा है। हमने उनसे ऐसा कंटेंट हटाने को कहा है।

पोलार्ड ने आगे कहा, इन कंपनियों ने कुछ नियमों का विरोध करते हुए कहा था कि वे खुद अपने प्लेटफॉर्म की निगरानी कर सकती हैं। अब यह दिखाने का सही मौका है कि वे ऐसा कर सकती हैं। सड़कों पर खतरनाक व्यवहार को बढ़ावा देने वाला कंटेंट हटाया जाए।

प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के कार्यालय ने कहा कि वीडियो और मनोरंजन के लिए खतरनाक ड्राइविंग को बढ़ावा देना बेहद शर्मनाक है। कार्यालय ने कहा कि जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए ब्रिटेन के मीडिया नियामक को सरकार का पूरा समर्थन है। टिकटॉक ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, कंपनी ने कहा कि उसकी नीतियों के तहत ऐसे कंटेंट पर सख्त रोक है, जिससे किसी व्यक्ति को गंभीर शारीरिक नुकसान हो सकता है। पुलिस ने बताया कि जिस कार से यह जानलेवा हादसा हुआ, उस पर नकली नंबर प्लेट लगी थी। इसका इस्तेमाल पुलिस से बचने के लिए किया गया था। पुलिस ने कहा कि हादसे से पहले संदिग्ध आपराधिक गतिविधियों के मामले में सोमवार को 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें हथियार रखने का मामला भी शामिल है। एक अलग मामले में, आयरलैंड के काउंटी किल्डेयर में पिछले हफ्ते चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। उनकी कार को राजमार्ग पर गलत दिशा में जा रही दूसरी कार ने टक्कर मार दी।

हेगसेथ बोले- जरूरत पड़ी तो ईरान पर मिसाइल से हमला; सख्ती पर इस्राइली पीएम नेतन्याहू क्या बोले

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ आर्थिक और सैन्य दबाव को एक साथ तेज कर दिया है। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखा है, जबकि ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट के जरिए ईरान के तेल, वित्तीय नेटवर्क और प्रतिबंधों से बचने वाले तंत्र को निशाना बनाने की घोषणा की है। दूसरी ओर, ईरान ने संकट से निपटने का भरोसा जताया है और इस्राइल ने अमेरिकी कदमों का समर्थन किया है। इससे तेहरान पर आर्थिक दबाव के साथ संभावित सैन्य टकराव का जोखिम भी बढ़ गया है। ऐसे में अमेरिका की रणनीति साफ तौर पर दो मोर्चों पर आगे बढ़ती दिखाई दे रही है एक तरफ आर्थिक घेराबंदी और दूसरी तरफ सैन्य कार्रवाई का खुला विकल्प।

होर्मुज में भी सैन्य कार्रवाई से इनकार नहीं : विस्कॉन्सिन के ओशकोश दौरे के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ सैन्य बल के इस्तेमाल की संभावना को बिल्कुल खत्म नहीं कर रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या फिलहाल सैन्य हमलों का विकल्प रोक दिया गया है, तो उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ऐसा नहीं है। हेगसेथ के मुताबिक, अगर ईरान अमेरिकी सेना से टकराता है या ऐसी कार्रवाई करता है जिसे वॉशिंगटन सीमा पार करना मानता है, तो अमेरिका जरूरी कदम उठाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल आर्थिक दबाव ईरान को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहा है, लेकिन जरूरत पड़ने पर होर्मुज जलडमरूमध्य या ईरान के आसपास किसी भी इलाके में सैन्य कार्रवाई की जा सकती है।

अमेरिका का दावा-होर्मुज पर मजबूत पकड़ : हेगसेथ ने दावा किया कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और वहां से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा करने की क्षमता रखती है। उनके अनुसार, ईरान की अर्थव्यवस्था लगातार दबाव में है और तेहरान यह भी समझता है कि जलडमरूमध्य में

अमेरिकी सैन्य क्षमता उसके मुकाबले काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि ईरान के पास इस क्षेत्र से व्यापार और तेल की आवाजाही को प्रभावित करने की कुछ क्षमता जरूर है, लेकिन अमेरिका के पास समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखने की बेहतर क्षमता मौजूद है। उनका दावा है कि इसी वजह से तेल का प्रवाह जारी रखा जा सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर ईरान के दबाव को सीमित किया जा सकता है।

ईरानी नौसेना और मिसाइल क्षमता को नुकसान का दावा : हेगसेथ ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को लेकर भी बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी कार्रवाई से ईरान की नौसेना, रडार और मिसाइल प्रणालियों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि ईरान के पास अब भी कुछ सैन्य क्षमताएं मौजूद हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्री के मुताबिक, ईरान की मौजूदा सैन्य क्षमता पहले जैसी नहीं रह गई है। इसी आधार पर वॉशिंगटन का मानना है कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है और तेल की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति को जारी रख सकता है।

आर्थिक दबाव के साथ परमाणु वार्ता का लक्ष्य : हेगसेथ ने कहा कि लगातार बढ़ता आर्थिक दबाव ईरान को परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की मेज पर लौटने के लिए मजबूर कर सकता है। अमेरिकी रणनीति का मकसद तेहरान की आर्थिक क्षमता को इतना कमजोर करना है कि उसके सामने बातचीत के अलावा विकल्प सीमित रह जाएं। उन्होंने कहा कि आर्थिक दबाव और सैन्य विकल्प दोनों एक-दूसरे के समानांतर चल रहे हैं। वॉशिंगटन फिलहाल आर्थिक हथियार को प्राथमिकता दे रहा है, लेकिन परिस्थितियां बिगड़ने पर सैन्य कार्रवाई की संभावना खुली रखी गई है।

ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट से ईरान की वित्तीय घेराबंदी : अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने सोमवार को ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट शुरू करने की घोषणा की। उनके मुताबिक, इस अभियान का लक्ष्य दुनियाभर में ईरान के वित्तीय संपर्कों को तोड़ना और उन सभी आय स्रोतों पर कार्रवाई करना है जो ईरानी सरकार तथा इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स को आर्थिक मदद पहुंचाते हैं। अमेरिका ने इस अभियान के तहत करीब 60 संस्थाओं, व्यक्तियों और जहाजों पर प्रतिबंधों का नया दौर शुरू किया है। इनमें ईरान की सैन्य गतिविधियों, खरीद नेटवर्क और पेट्रोलियम तथा पेट्रोकेमिकल कारोबार से कथित रूप से जुड़े लोग और संस्थाएं शामिल हैं।

भारत का सबसे खतरनाक जंगल सुंदरबन

विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियां सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती है.पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है. यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे. जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं

बड़ा नदी डेल्टा है। बहुत सी प्रसिद्ध वनस्पतियों और प्रसिद्ध बंगाल टाईगर का निवास स्थान है। यह डेल्टा धीरे धीरे सागर की ओर बढ़ रहा है। कुछ समय पहले कोलकाता सागर तट पर ही स्थित था और सागर का विस्तार राजमहल तथा सिलहट तक था, परन्तु अब यह तट से 15-20 मील (24-32 किलोमीटर) दूर स्थित लगभग 1,80,000 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। यहाँ बड़ी तादाद

दलदली द्वीप समूह

बंगाल की खाड़ी में हुगली नदी के मुहाने (शरत) से मेघना नदी के मुहाने (बांग्लादेश) तक 260 किमी तक विस्तृत एक व्यापक जंगली एवं लवणीय दलदली क्षेत्र, जो गंगा डेल्टा का निचला हिस्सा बनाता है, यह 100-130 किमी में फैला अंतर्स्थलीय क्षेत्र है। मुहानों के एक संजाल, लहरों वाली नदियों और अनेक नहरों द्वारा कटी हुई खाड़ियों के साथ इस भूक्षेत्र में घने जंगलों से ढके दलदली द्वीप समूह हैं।

सुंदरी का वन

सुंदरबन नाम संभवतः 'सुंदरी का वन' से लिया गया है, जिसका संबंध ईंधन के लिए मूल्यवान लकड़ी उपलब्ध कराने वाले एक विशाल मैंग्रोव वृक्ष से है। समुद्र तट के साथ वन मैंग्रोव वाले दलदलों में परिवर्तित होते है; दक्षिणी क्षेत्र विभिन्न जंगली जानवरों और घड़ियालों से भरा हुआ है और वस्तुतः निर्जन है। यह बंगाल के शेर का आखिरी संरेक्षित क्षेत्र और बाघ संरक्षण परियोजना का स्थल है। कृषि योग्य उत्तरी क्षेत्र में चावल, गन्ना, **लकड़ी और सुपारी की खेती होती है।**

में सुंदरी पेड़ मिलते हैं जिनके नाम पर ही इन वनों का नाम सुंदरवन पड़ा है। इसके अलावा यहाँ पर देवा, केवड़ा, तर्मजा, आमलोपी और गोरान वृक्षों की ऐसी प्रजातियाँ हैं, जो सुंदरवन में पाई जाती हैं। यहाँ के वनों की एक खास बात यह है कि यहाँ वही पेड़ पनपते या बच सकते हैं, जो मीठे और खारे पानी के मिश्रण में रह सकते हों।

सुंदरवन डेल्टा में नदियाँ

सुंदरवन डेल्टा में भूमि का ढाल अत्यन्त कम होने के कारण यहाँ गंगा मुहाने पर जमा कर देती है जिससे डेल्टा का आकार बढ़ता जाता है और नदी की कई धाराएँ एवं उपधाराएँ बन जाती हैं। इस प्रकार बनी हुई गंगा की प्रमुख शाखा नदियाँ जालंगी नदी, इच्छामती नदी, भैरव नदी, विद्याधरी नदी और कालिन्दी नदी हैं। नदियों के वक्र गति से बहने के कारण दक्षिणी भाग में कई धनुषाकार झीलें बन गयी हैं। ढाल उत्तर से दक्षिण है, अतः अधिकांश नदियाँ उत्तर से दक्षिण की ओर बहती हैं। ज्वार के समय इन नदियों में ज्वार का पानी भर जाने के कारण इन्हें ज्वारीय नदियाँ भी कहते हैं। डेल्टा के सुदूर दक्षिणी भाग में समुद्र का खारा पानी पहुँचने का कारण यह भाग नीचा, नमकीन एवं दलदली है तथा यहाँ आसानी से पनपने वाले मैंग्रोव जाति के वनों से भरा पड़ा है। यह डेल्टा चावल की कृषि के लिए अधिक विख्यात है। यहाँ विश्व में सबसे अधिक कच्चे जूट का उत्पादन होता है। कटका अभयारण्य सुंदरवन के उन इलाकों में से है जहाँ का रास्ता छोटी-छोटी नहरों से होकर गुजरता है। यहाँ बड़ी तादाद में सुंदरी पेड़ मिलते हैं जिनके नाम पर ही इन वनों का नाम सुंदरवन पड़ा है। इसके अलावा यहाँ पर देवा, केवड़ा, तर्मजा, आमलोपी और गोरान वृक्षों की ऐसी प्रजातियाँ हैं, जो सुंदरवन में पाई जाती हैं। यहाँ के वनों की एक खास बात यह है कि यहाँ वही पेड़ पनपते या बच सकते हैं, जो मीठे और खारे पानी के मिश्रण में रह सकते हों।

वन्यजीवों के लिए जन्नत है सुंदरबन

सुंदरबन ऐसा वनों से घिरा हुआ इलाका जो वन्य जीव को अपने में संजोए हुए हैं.विश्व में पायी जाने वाली कई अति दुर्लभ प्रजातियां सिर्फ सुंदरबन में पाई जाती है. पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश तक फैला सुंदरवन देसी-विदेशी सभी पर्यटकों को आकर्षित करता है.यहां की हरी-भरी छटा व मनमोहक लुभावने दृश्य आपको इस स्थान का दीवाना बना देंगे.
जी है दोस्तों, आज का हमारा लेख सुंदरबन से संबंधित है आज हम आपको सुंदरबन से जुड़े वे सभी रोचक व दिलचस्प तथ्य बताने जा रहे हैं जो अपने आप से पहले **शायद ही कहीं पढ़े होंगे.**तो चलिए जानते हैं

- सुंदरवन का यह नाम इस जंगली इलाके में भारी संख्या में मिलने वाले सुन्दरी पेड़ो से लिया गया है और साथ ही बंगाली भाषा के शब्द शुंदोर का प्रयोग करके इसका नाम सुंदरवन रखा गया.आम भाषा में लोग इस वन को सुंदरबन या सुंदरवन के नाम से जानते है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन का इतिहास 200-300 ईस्वी के आसपास का माना जाता है और इसके प्रमाण बागमरा फारेस्ट ब्लाक में मिले अवशेषों से पता चलता है.
- सुंदरवन कुल 10,000 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला हुआ एक विस्तृत हरा-भरा जंगली इलाका है. जिसमे से 6000 वर्ग किमी बांग्लादेश में व भारत के हिस्से में 4110 वर्ग किमी आता है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन को बंगाल टाइगर का घर भी कहा जाता है उदाहरण के तोर पर 2015 के आंकड़ो के अनुसार सुंदरवन में 180 टाइगर है जिसमे से 106 बांग्लादेश की सीमा में और 74 भारत की सीमा में रहते है.
- सुंदरवन को यूनेस्को द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया है.
- आपको जानकर हैरानी होगी सुंदरवन में भारत का सबसे बड़ा फिशरी बोर्ड है जहा सुंदरवन डेवलपमेंट बोर्ड 50 हेक्टेयर के इलाके में फिशरी प्रोजेक्ट चलाता है.
- सुंदरवन में विश्व का सबसे बड़ा डेल्टा पाया जाता हैउदाहरण के तोर पर गंगा और ब्रह्मपुत्र दोनों नदियों के एकीकरण से बने इस डेल्टा को बंगाल डेल्टा या ग्रीन डेल्टा भी कहते है.
- सुंदरवन का सर्वाधिक हरबरा होने का कारण यहाँ सर्वाधिक होने वाली वर्षा है.इसी कारण इस स्थान को वर्षावन भी खा जाता है.
- क्या आप जानते है सुंदरवन के विशाल डेल्टा में 5-6 द्वीप नही बल्कि 54 छोटे छोटे द्वीपों का समूह है.
- अगर आपको फोटोग्राफी का क्रेज है तो सुंदरवन फोटोग्राफी की चाह रखने वालो के लिए स्वर्ग समान है.क्योंकि इस सुंदर घने जंगल के दृश्यों के साथ ही यहाँ के वन्य जीव आपकी फोटोग्राफी में चार चाँद लगा देंगे.

सुंदरबन और उसकी जैव विविधता

भारतीय प्राणी-विज्ञान सर्वेक्षण ने पहली बार सुंदरबन में पाए जाने वाले जीव-जन्तुओं की विविधता का और उन पर मंडरा रहे खतरों का एक संपूर्ण संग्रह प्रकाशित किया है। उसके अनुसार इस नाजुक द्वीपीय पारिस्थितिकी तंत्र में 2,626 जीव-जंतु रहते हैं।

'सुंदरबन जैव विविधता के प्राणी समूह' शीर्षक से प्रकाशित इस संग्रह में सुंदरबन की जैव विविधता पर पहली समेकित और अद्यतित जानकारी दी गई है। यह संग्रह अपने आप में एक विश्वकोश जैसी है। इसमें 2,600 प्रजातियों का उल्लेख किया गया है, जिनमें कुछ मैंग्रोव पारिस्थितिकी की दृष्टि से नई हैं और जलवायु परिवर्तन के खतरों से संकट में जी रहे हैं। सुंदरबन के बारे में अब तक 4,260 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को ही जाना जाता था, परंतु इस संग्रह में इसके पूरे 9,630 वर्ग किलोमीटर के दायरे को कवर किया गया है।

सुंदरबन

सुंदरबन पश्चिम बंगाल के उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिले के 19 विकासखण्डों में फैला हुआ है। यह भारत और बांग्लादेश दोनों में फैला हुआ दलदलीय वन क्षेत्र है। यह यहाँ पाए जाने वाले सुन्दरी नामक वृक्षों के कारण प्रसिद्ध है। भारतीय क्षेत्र में स्थित सुंदरबन यूनेस्को (ठगक्ट्एग) की विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा है। यह 9,630 वर्ग किलोमीटर में फैला गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा का हिस्सा है। इस क्षेत्र में 104 द्वीप हैं। यहाँ जीव-जंतुओं की लगभग 2,487 प्रजातियाँ हैं।

यहाँ पाए जाने वाले कुछ विशिष्ट जीव-जंतु एवं उनकी विशेषताएँ

यहाँ पाए जाने वाले प्रसिद्ध बाघ (रॉयल बंगाल टाइगर) यहाँ के जलीय परिस्थितियों के अनुकूल हो गए हैं। वे तैर भी सकते हैं। यहाँ पाए जाने वाले कुछ जीवों में एशियाई छोटे पंख वाले ऊदबिलाव, गंगा की डॉल्फिन, भूरे और दलदली नेवले और जंगली रीसस बंदर प्रमुख हैं।
यहाँ पक्षियों की 356 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें ऑस्प्रे, ब्राह्मिनी चील और श्वेत पेट वाली समुद्री बाज प्रमुख हैं। इसके अलावा गुलाबी सिर वाला तोता, फ्लाईकेचर, वार्बलर्स और किंगफिशर भी पाए जाते हैं।

कछुए व अन्य जीव

यहाँ कछुओं की 11 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें प्रसिद्ध ऑलिव रिडले कछुआ, हॉस्कबिल समुद्री कछुए और टेरापिन नदी कछुआ प्रमुख हैं। टेरापिन नदी कछुआ मीठे पानी में रहने वाला एक संकटापन्न जीव है। इसके अलावा यहाँ मगरमच्छ, मॉनिटर लेजर्ड्स, सांपों की 30 प्रजातियाँ एवं कार्टिलैगिनस मछलीयाँ पाई जाती हैं। किंग कोबरा आईयूसीएनकी सुभेद्य सूची में शामिल है। यहाँ के मैंग्रोव पारिस्थितिकी तंत्र में मछलियों की लगभग 350 प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इनमें से कार्टिलैगिनस मछलीयाँ, जिनमें अस्थियों के बजाय उपास्थि का कंकाल होता है, 103% तक हैं। सुंदरबन की समृद्धि का एक और संकेत यहाँ पाए जाने वाले 753 कीट की प्रजातियों से है। इनमें से 210 तितलियाँ और पतंगे हैं। इसके अलावा केकड़े, चिंराट और झींगे की 334 प्रजातियाँ भी मौजूद हैं।

समस्या

सुन्दरबन का दलदलीय इलाका मानवीय आवासों के बढ़ते दायरे एवं प्राकृतिक खतरों से जूझ रहा है, जिसके कारण यहाँ स्तनपायी जीवों की संख्या घट रही है। गैंडा, दलदलीय हिरण, भोंकने वाले हिरण, हॉग हिरण और जल में रहने वाला एशियाई जंगली भैंसा अब सुंदरबन में नहीं पाए जाते हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को प्रदेशभर से आई बहनों ने बांधा रक्षा सूत्र

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बुधवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेशभर से आई बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा तथा उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। मुख्यमंत्री ने बहनों का आत्मीयता से स्वागत करते हुए उनका आभार व्यक्त किया और सभी प्रदेशवासियों को रक्षा बन्धन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा बन्धन भाई-बहन के स्नेह, विश्वास और

सुरक्षा के संकल्प का पावन पर्व है। प्रदेश की मातृशक्ति और बहनों का स्नेह एवं आशीर्वाद उन्हें उत्तराखण्ड की सेवा तथा राज्य के विकास के लिए निरंतर नई ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हमारी मातृशक्ति परिवार की मजबूत आधारशिला होने के साथ ही समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, लखपति दीदी अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी अनेक योजनाओं से महिलाओं और बेटियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड की मातृशक्ति ने राज्य निर्माण से लेकर राज्य के विकास तक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन, कृषि, स्वरोजगार, उद्यमिता और सामाजिक क्षेत्र सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं।

मोरी में ऑनलाइन व्यवस्था बनी रोजगार की राह में रोड़ा

पुरोला। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों वाले मोरी विकासखंड में ऑनलाइन व्यवस्था अब ग्रामीण रोजगार और विकास कार्यों के आड़े आ रही है। नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या के चलते जरूरतमंद श्रमिकों की उपस्थिति दर्ज कराने में आ रही दिक्कतों को देखते हुए प्रधान संगठन मोरी ने मनरेगा की तर्ज पर ऑफलाइन कार्य व्यवस्था लागू करने की मांग उठाई है।

संगठन के अध्यक्ष एवं ग्राम प्रधान गुराड़ी कैलाश प्रसाद डिमरी ने मंगलवार को जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर वीबीजीरामजी योजना में स्थानीय जरूरतों के अनुसार कार्य स्वीकृत करने की मांग की। प्रधान संगठन के अनुसार इन कार्यों की मोरी के गांवों में लंबे समय से जरूरत है और इन्हें रोजगारपरक तरीके से संचालित किया जा सकता है। कैलाश ने कहा कि मोरी जैसे दुर्गम क्षेत्र में मैदानी क्षेत्रों के अनुरूप ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने के बजाय स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखना जरूरी है।

राखी के धागे से पेड़ों को बांधा, हरियाली बचाने का लिया प्रण

नई टिहरी। रक्षा बंधन के पर्व पर जौनपुर ब्लॉक के राजकीय इंटर कॉलेज दोंक की छात्राओं ने पेड़-पौधों को राखी बांधकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। रक्षा बंधन के पर्व पर छात्राओं ने पौधों को राखी बांध कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। कार्यक्रम के संयोजक संजय प्रकाश सेमवाल ने कहा कि हम अपनी परंपराओं को पर्यावरण संरक्षण के साथ जोड़कर आगे बढ़ें तो पर्यावरण संरक्षण के साथ ही समाज में परंपराओं के प्रति सकारात्मक सोच भी विकसित होगी। छात्र-छात्राओं ने आशीष सगाई और इंदु सैनी के मार्गदर्शन में नागराजा मंदिर के समीप नक्षत्र वाटिका का निर्माण किया। वाटिका में आंवला, बांस, पलाश, बेल, अर्जुन और नींबू आदि प्रजातियों के पौधे लगाए। प्रधानाचार्य राम औतार ने सभी को रक्षा बंधन की शुभकामनाएं देते हुए

कहा कि हम अपने परिवेश को तभी बेहतर बना सकते हैं जब अपनी परंपराओं को आधुनिकता और प्रासांगिकता के अनुरूप मनाएं। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन के पर्व पर छात्र-छात्राओं ने पेड़-पौधों को जो रक्षा सूत्र बांधे हैं वह उनकी देखभाल करने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा किए ऐसे पवित्र पर्व पर अन्य छात्रों को भी इस तरह का निर्णय लेकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

बोल्डर गिरने से निजमुला सड़क ब्यारा के पास बंद

पीपलकोटी। बिरही-निजमुला सड़क बोल्डर गिरने से ब्यारा के पास बंद हो गई। इससे निजमुला घाटी के 12 से अधिक गांवों का संपर्क कट गया है।

बुधवार दोपहर को अचानक निजमुला घाटी को जोड़ने वाली सड़क ब्यारा के पास अवरुद्ध हो गई। लोगों को जिला मुख्यालय सहित अन्य जगह आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता भरत राणा का कहना है कि यह सड़क बार-बार बंद हो रही है। बरसात में ज्यादातर समय इस सड़क पर यातायात या तो बंद रहा या जोखिम उठाकर यहां से लोग जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क बंद होने से ब्यारा, पगना, निजमुला, गौणा, झींझी, पाणा, ईराणी, हडुंग, मोली मांडरा, दुर्मी सहित अन्य गांव का संपर्क कट गया है। सड़क बंद होने की सूचना पर ब्रिड़कुल ने जेसीबी लगाकर मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया है। वहीं ब्रिडकुल के अधिशासी अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार तक सड़क को खोल दिया जाएगा। बोल्डर होने से सड़क खोलने में समय लग रहा है।

कांग्रेस का सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

देवाला। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बुधवार को केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने मंदिरों में भ्रष्टाचार और चंदा चोरी का आरोप लगाया साथ ही राधा देवी को महिला कांग्रेस का ब्लॉक अध्यक्ष चुना गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाजपा पर मंदिर में चोरी करने वालों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों पर लगातार हो रही चोरियों से जनता में आक्रोश है। कांग्रेसियों ने आरोप लगाया कि चंदा चोरी के मामलों में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी यदि दोषियों का पर्दाफाश नहीं हुआ तो कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन करेगी। इससे पहले, कांग्रेस की बैठक में विधानसभा चुनाव पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष कमल गड़िया और पूर्व प्रमुख डीडी कुनियाल आदि मौजूद रहे।

अस्पताल पहुंचीं बहनें, घायल श्रमिकों को बांधी राखी

गोपेश्वर। बीते दिनों पीपलकोटी टनल हादसे में घायल हुए श्रमिक जिला अस्पताल गोपेश्वर में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। बुधवार को एकल अभियान अंचल गोपेश्वर से जुड़ी बहनों ने जिला अस्पताल पहुंचकर टनल हादसे में घायल श्रमिकों को राखी बांधी और उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। राखी बांधते समय श्रमिक भावुक हो गए। श्रमिकों ने कहा कि घर से दूर रक्षाबंधन पर बहनों की याद आ रही थी लेकिन यहां मिले स्नेह से उन्हें परिवार जैसा अपनापन महसूस हुआ। घायल श्रमिकों की देखरेख में टीएचडीसी के फार्मासिस्ट आशीष खाली सहित उनके चार साथी भी अस्पताल में मौजूद रहे और उपचार एवं देखभाल में सहयोग कर रहे हैं। इस मौके पर अंचल प्रभारी अतुल शाह, सचिव हरि प्रसाद मामगाईं, महिला अध्यक्ष मीना तिवारी, नीरजा पंवार, अभियान प्रमुख रश्मि नेगी, दया पांड्या और अमीशा आदि शामिल रहे।

सीमा पर मुस्तैद सेना के जवानों को बांधी राखी

ज्योतिर्मठ। भारत-चीन सीमा पर तैनात सेना के जवानों की कलाई पर नीती घाटी की महिलाओं ने राखी बांधी। कागा व जुम्मा गांव की महिलाएं सेना के गोटिंग स्थित कैंप पहुंचीं और जवानों की कलाई पर राखी बांधी। महिलाओं ने कहा कि सीमा पर तैनात जवान रक्षाबंधन पर घर नहीं जा पाते और अपनी बहनों से नहीं मिल पाते।

संक्षिप्त समाचार

कृषि योजनाओं की नहीं मिल रही जानकारी

गोपेश्वर। थराली और देवाल क्षेत्र में खेतों को जंगली जानवरों से बचाने के लिए चेन फेंसिंग नहीं होने और कृषि योजनाओं की जानकारी ब्लॉक स्तर पर उपलब्ध नहीं होने से नाराज जनप्रतिनिधियों ने मुख्य कृषि अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि ब्लॉक स्तर पर किसानों को किसान निधि समेत कृषि विभाग की योजनाओं की जानकारी तक नहीं मिल पा रही है जिससे काश्तकार परेशान हैं।जिला पंचायत सदस्य कलावती देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य मनमोहन चतुरा, दर्शन सिंह, खिलाप सिंह, दिग्पाल और संजय जोशी ने कहा कि ब्लॉक स्तर पर जंगली जानवर लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं लेकिन खेतों की चेन फेंसिंग नहीं की जा रही है। उन्होंने शीघ्र चेन फेंसिंग कराने और किसानों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की। मुख्य कृषि अधिकारी जेपी तिवारी ने बताया कि जिले के 41 गांवों में चेन फेंसिंग की गई है। उन्होंने सहायक कृषि अधिकारी को ब्लॉक स्तर पर ही काश्तकारों व जनप्रतिनिधियों को जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

परख प्रश्नपत्र निर्माण में 25 शिक्षकों ने किया प्रतिभाग

कर्णप्रयाग। चमोली के गौचर स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में 24 से 26 अगस्त 2026 तक तीन दिवसीय परख प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जनपद के नौ विकासखंडों से कुल 25 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण परीक्षा 2027 की तैयारी था। इसमें कक्षा छह, सात और आठ के सामाजिक विज्ञान विषय के लिए दक्षता आधारित वर्कशीट व प्रश्न पत्र बनाए गए। समन्वयक डॉ. गजपाल राज ने प्रतिभागियों को परख प्रश्न पत्र निर्माण की जानकारी दी। डायट प्राचार्य आकाश सारस्वत ने कहा कि कक्षा तीन से 12वीं तक के लिए सभी विषयों में दक्षता आधारित प्रश्नपत्र बनाए जाएंगे। इसके लिए जिला और ब्लॉक स्तर पर संदर्भ समूह गठित होंगे। वर्ष 2026-27 में कक्षा तीन, छह और नौ के विद्यार्थियों के लिए परख सर्वे होगा। शिक्षक दशरथ लाल टम्टा और सोनी भंडारी ने भी सत्र को संबोधित किए।

कनोल हाईस्कूल का इंटर कॉलेज में हुआ उच्चीकरण

नंदानगर। ग्राम पंचायत कनोल के हाईस्कूल का उच्चीकरण इंटर कॉलेज के रूप में हुआ है। इस पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ग्राम पंचायत के उपप्रधान वीरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि इंटर कॉलेज बनने से कनोल और आसपास के गांवों के छात्र-छात्राओं को इंटर की पढ़ाई के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। पहाड़ी क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और आर्थिक परेशानियों के कारण कई बच्चों की आगे की पढ़ाई प्रभावित होती थी। विद्यालय के उच्चीकरण से अब विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में ही उच्च माध्यमिक शिक्षा मिल सकेगी।

हाईस्कूल विजयसैंण और पिंडवाली का हुआ उच्चीकरण

आदिबदरी। तहसील के राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय विजयसैंण और पिंडवाली को इंटर कॉलेज के रूप में उच्चीकृत किया गया है। इस घोषणा से दोनों गांवों और आसपास के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। इन स्कूलों से जुड़े सात से अधिक गांवों के बच्चों को अब अपने नजदीकी विद्यालय में ही 12वीं तक शिक्षा मिलेगी। छात्रों को अब दूर के विद्यालयों में पैदल नहीं जाना पड़ेगा।

पिंडवाली के कक्षा 11 के 16 विद्यार्थियों को 10 किलोमीटर पैदल चलकर देवलकोट जाना पड़ता था। अब हाईस्कूल पिंडवाली के 32 विद्यार्थी अगले वर्ष गांव में ही इंटर की पढ़ाई कर सकेंगे।

टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सहारनपुर चौक, देहरादून में टपकेश्वर महादेव की भव्य शोभायात्रा में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने टपकेश्वर महादेव मंदिर के महंत श्री कृष्णा गिरी महाराज, महंत दिगम्बर भरत गिरी महाराज एवं टपकेश्वर सेवा दल के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने भगवान टपकेश्वर महादेव से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखण्ड की समृद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में आस्था,

एकता और आपसी सद्भाव को सुदृढ़ करने के साथ ही नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने शोभायात्रा के आयोजन से जुड़े सभी संत-महात्माओं, आयोजन समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान टपकेश्वर महादेव की कृपा समस्त प्रदेशवासियों पर बनी रहे और उत्तराखण्ड निरंतर प्रगति एवं समृद्धि के पथ पर आगे बढ़ता रहे। शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान टपकेश्वर महादेव के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

न्याय की मांग को लेकर धरने पर डटे रहे केतन के परिजन

नई टिहरी। प्रतापनगर ब्लॉक के देवल गांव निवासी मृतक केतन लाल हत्याकांड में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी करने समेत छह सूत्री मांगों को लेकर परिजन और ग्रामीण तीसरे दिन भी कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर डटे रहे। उन्होंने पीड़ित परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता देने, सुरक्षा की दृष्टि से दूसरी जगह पुनर्वास करने और हत्याकांड की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग की। आंदोलनरत लोगों ने सरकार पर पीड़ित परिवार की उपेक्षा करने का आरोप लगाया।

बुधवार को मृतक केतन लाल के पिता धनपाल लाल समेत भीम आर्मी के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना दिया। उन्होंने पीड़ित परिवार के एक सदस्य को जल्द सरकारी नौकरी देने, परिवार को गांव से बाहर सुरक्षित स्थान पर पुनर्वासित करने और हत्याकांड की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराने की मांग उठाई। साथ ही परिवार के सभी सदस्यों की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने की भी मांग की। आंदोलनकारियों का कहना है कि शासन-प्रशासन के स्तर पर उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। समस्याओं का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें न्याय के लिए दर-दर भटकना पड़ रहा है। मांगों पर कार्रवाई न होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी।

पालिका की टीम ने पकड़ा लावारिस कुत्ता

रुद्रप्रयाग। नगर पालिका क्षेत्र में लावारिस कुत्ते के कारण लोगों में दहशत फैल गई है। मंगलवार को एक लावारिस कुत्ते की ओर से पांच लोगों को काटने की सूचना के बाद नगर पालिका प्रशासन हरकत में आया। पालिका अध्यक्ष संतोष रावत के नेतृत्व में टीम गठित कर कुत्ते को पकड़ने के लिए अभियान चलाया गया और टीम ने वार्ड नंबर सात रैंतोली में अभियान चलाकर लावारिस कुत्ते को पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान पालिका अध्यक्ष संतोष रावत भी मौके पर मौजूद रहे।

पालिका अध्यक्ष ने बताया कि घटना का संज्ञान लेते हुए शीघ्र टीम को लगाया गया और कुत्ते को पकड़ लिया गया है। उन्होंने नगरवासियों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि लावारिस अथवा हिंसक कुत्तों की सूचना पालिका को दें। किसी भी प्रकार की शिकायत के लिए पालिका के व्हाट्सऐप नंबर 8791041698 और टोल फ्री नंबर 18001802930 पर सूचना दी जा सकती है।

अभिनव देशवाल और अंकिता ध्यानी को मिलेगा खेल रत्न पुरस्कार

देहरादून। उत्तराखंड खेल विभाग ने खेल पुरस्कारों की घोषणा की। युवा निशानेबाज अभिनव देशवाल और स्टार धावक अंकिता ध्यानी को उनके शानदार खेल प्रदर्शन के लिए देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रीय खेल दिवस पर होने वाले समारोह में दोनों खिलाड़ियों के साथ कई अन्य खेल प्रतिभाओं और प्रशिक्षकों को भी राज्य के प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार दिए जाएंगे।

युवा निशानेबाज अभिनव देशवाल एवं लंबी व मध्यम दूरी की भारतीय धावक अंकिता ध्यानी को देवभूमि उत्तराखंड खेल रत्न पुरस्कार मिलेगा। अभिनव को वर्ष 2025 और अंकिता को वर्ष 2024-25 के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। खेल विभाग की ओर से खेल पुरस्कारों की घोषणा की गई है। 29 अगस्त राष्ट्रीय खेल दिवस पर इन खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

शासन के जारी आदेश के मुताबिक मॉर्डन पैंटाथलॉन खिलाड़ी ममता खाती निवासी

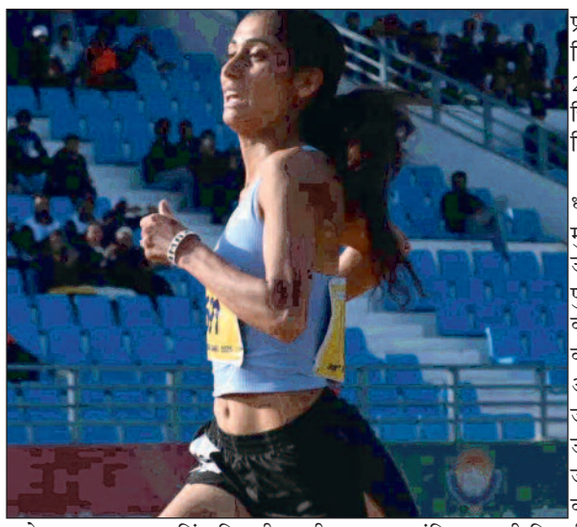

बागेश्वर, सक्षम प्रताप सिंह निवासी काशीपुर ऊधमसिंह नगर, पैरा निशानेबाज शौर्य सैनी निवासी रुड़की हरिद्वार एवं बॉक्सिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खुशी चंद्र निवासी पिथौरागढ़ को वर्ष 2025-26 के लिए हिमालय रत्न खेल पुरस्कार दिया जाएगा।

जबकि रोईंग कोच धर्मावाला देहरादून निवासी मुकेश शर्मा को देवभूमि उत्तराखंड द्रोणाचार्य पुरस्कार, हल्द्वानी नैनीताल के मुकेश चंद्र बेलवाल को लाईफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार दिया जाएगा। बॉक्सिंग के लिए उन्हें यह पुरस्कार मिलेगा। जबकि वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय धावक अंकिता ध्यानी निवासी पौड़ी गढ़वाल एवं एथलेटिक्स कोच लोकेश कुमार को देवभूमि उत्तराखंड द्रोणाचार्य पुरस्कार दिया जाएगा।

थलनदी में गूंजा भाई-बहन के प्रेम का संदेश, बहनों ने बांधी राखी

यमकेश्वर। थलनदी मैदान में भाजपा संगठन की ओर से आयोजित वृहद रक्षाबंधन कार्यक्रम में भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का उत्सव देखने को मिला। क्षेत्र की बड़ी संख्या में बहनों ने वरिष्ठ भाजपा नेता एवं श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी सहित अन्य अतिथियों को राखी बांधी। स्थानीय वाद्ययंत्रों की धुन के बीच अतिथियों का स्वागत किया गया और कार्यक्रम में रक्षाबंधन के पर्व को भारतीय संस्कृति, परंपरा और भाई-बहन के अटूट रिश्ते से जोड़ते हुए मातृशक्ति के सम्मान का संदेश दिया गया। बुधवार को थल नदी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हेमंत द्विवेदी ने कहा कि रक्षाबंधन केवल राखी बांधने तक सीमित पर्व नहीं है, बल्कि यह भाई-बहन के अटूट विश्वास, प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी का प्रतीक है। यह पर्व हमारी प्राचीन सभ्यता और संस्कृति से भी गहराई से जुड़ा है। द्विवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक सशक्तीकरण के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इन पहलों से महिलाओं और बेटियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है।

लिवाड़ी के जूनियर हाईस्कूल का हाईस्कूल में हुआ उच्चीकरण

पुरोला। मोरी विकासखंड की पंचगांई पट्टी के सुदूरवर्ती सीमांत गांव लिवाड़ी के छात्र-छात्राओं को आखिरकार राहत मिली है। करीब चार दशक पहले स्थापित जूनियर हाईस्कूल लिवाड़ी का उच्चीकरण कर उसे हाईस्कूल बना दिया गया है। इस निर्णय से अब गांव के विद्यार्थियों को कक्षा 9 और 10 की पढ़ाई के लिए लगभग 10 से 12 किलोमीटर दूर फिताड़ी नहीं जाना पड़ेगा। बुधवार को विधायक दुर्गेश लाल ने पुरोला विधानसभा क्षेत्र के रामा एवं कमल सिरांई क्षेत्र के देवदूंग और छिबाला गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों, मातृशक्ति, बुजुर्गों और युवाओं से मुलाकात की व उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने देवदुंग में मटिया महासू महाराज मंदिर में चल रहे सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण किया और मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिए पांच लाख व छिबाला काली मंदिर के लिए चार लाख देने की घोषणा की। इस मौके पर प्रधान संतोषी देवी, विजय गैरोला, नवीन गैरोला, जमुना प्रसाद, हरि प्रसाद, प्रवीण राज, सुभाष चुनार, अमित नेगी, जयेंद्र नेगी, रामप्यारी रतूड़ी, संजीव राणा, मंजरी देवी, शशि देवी, सरिता देवी आदि मौजूद रहे।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

कारुआना ने ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जीत हासिल की

पहले क्लासिकल गेम के बाद 6-0 की बढ़त

नईदिल्ली, एजेंसी। सेंट लुइस में खेले जा रहे ग्रैंड चेस टूर फाइनल्स 2026 के खिताबी मुकाबले में ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना ने भारत के आर प्रज्ञानानंदा को हरा दिया। कारुआना ने फाइनल के पहले क्लासिकल गेम में प्रज्ञानानंदा को शिकस्त दी। इस जीत से अमेरिका के कारुआना ने मैच में 6-0 की बढ़त बना ली। मुकाबले में प्रज्ञानानंदा लंबे समय तक बराबरी पर थे, लेकिन 28वीं चाल में हुई गलती के बाद कारुआना ने गेम अपने नाम कर लिया। वहीं तीसरे स्थान के मुकाबले में विंसेंट कीमर और वेस्ली सो का पहला क्लासिकल गेम ड्रॉ रहा और दोनों का स्कोर 3-3 है।

बायर्न म्यूनिख ने ड्रिसेन और एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ाया

बर्लिन, एजेंसी । बायर्न म्यूनिख ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी जान-क्रिश्चियन ड्रिसेन और स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर मैक्स एबरल का अनुबंध जून 2029 तक बढ़ा दिया है। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, इस फैसले को बायर्न के सुपरवाइजरी बोर्ड ने मंगलवार को एक बैठक में मंजूरी दी। मंजूरी मिलने के बाद ड्रिसेन और एबरल का 2027 में समाप्त होने वाला कार्यकाल 2 साल बढ़ गया। ड्रिसेन 2013 में

मुख्य वित्तीय अधिकारी के तौर पर बायर्न में शामिल हुए थे और एक साल बाद उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी बने थे। वह मई 2023 से सीईओ के तौर पर काम कर रहे हैं। अनुबंध बढ़ाए जाने के बाद ड्रिसेन ने कहा, 'मैं सुपरवाइजरी बोर्ड को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद देता हूं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर मुमकिन कोशिश करते रहना चाहते हैं कि एफसी बायर्न शीर्ष क्लब बना रहे जिस पर हम सभी को गर्व है। यही हमें प्रेरित करता है। हमने अभी भी बहुत योजनाएं बनाई हैं। ' 52 साल के एबरल, बोरूसिया मोनचेंग्लाडबैक और आरबी लीपजिग में प्रबंधन में काम करने के बाद मार्च 2024 में स्पोर्टिंग बोर्ड मेंबर के तौर पर बायर्न लौटे। वह छह साल की उम्र में बायर्न में शामिल हुए, यूथ सिस्टम में आगे बढ़े और बाद में क्लब के लिए अपना पेशेवर डेब्यू किया। एबरल ने कहा, 'जब से मैं यूथ टीमों में था, तब से एफसी बायर्न मेरे दिल के करीब रहा है। सुपरवाइजरी बोर्ड का भरोसा एक कीमती निशानी है और मैं इससे बहुत खुश हूं। ' सुपरवाइजरी बोर्ड के चेयरमैन हर्बर्ट हैनर ने कहा कि स्थिरता जरूरी है, स्थिरता ताकत देती है। हमें क्लब को सबसे ऊंचे स्तर पर लगातार विकसित करने के लिए हमें दोनों की जरूरत है। बायर्न यूरोप के शीर्ष क्लबों में अपनी जगह बनाए रखना चाहता है। हैनर ने कहा, ड्रेसेन, एबरल और मार्केटिंग और सेल्स एग्जीक्यूटिव रूवेन कैस्पर का मैनेजमेंट बोर्ड क्लब को पिच पर और पिच के बाहर आगे बढ़ाने के लिए अच्छी स्थिति में था। जुलाई 2024 से बायर्न के मैनेजमेंट बोर्ड में तीन सदस्य हैं। इस स्ट्रक्चर का मकसद समन्वय बनाते हुए जल्दी फैसले लेने में मदद करना है।

विमेंस एशिया कप

पहली बार खेल रही इंडोनेशिया ने किया टीम का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला एशिया कप 2026 का आयोजन 28 अगस्त से 13 सितंबर तक दुबई में होना है। इंडोनेशिया की महिला टीम ने पहली बार टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक 2 दिन पहले इंडोनेशिया ने अपनी टीम का भी ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट के लिए टीम का ऐलान करने वाली इंडोनेशिया आखिरी टीम है। टीम युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। अनुभवी कप्तान नंदा सकारिनी टीम का नेतृत्व करेंगी, जबकि वेलिक के साथ मिलकर बेहतरीन बॉलिंग ग्रुप में शामिल होंगी। टीम में आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 की स्टार खिलाड़ी वेसिका रत्ना देवी, पुत्री सुवानदेवी और सांग मेयरपिरानी शामिल हैं। देसी वुलंडारी, ली कियाओ और नी काडेक एरियानी भी टीम का हिस्सा हैं। इंडोनेशियाई टीम का क्वालीफिकेशन कैंपेन बहुत अच्छा रहा, वे थाईलैंड से हारने से पहले सेमीफाइनल तक पहुंचीं, और तीसरे स्थान के प्ले-ऑफ में हांगकांग, चीन से हार गईं। टीम ने जून में एसीसी विमेंस प्रीमियर कप के जरिए क्वालीफाई किया था। पूरे इवेंट में टीम के लिए सिर्फ 11 सदस्य खेले थे। सकारिनी क्वालीफाइंग में टीम की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी थीं। इंडोनेशिया एशिया कप में ग्रुप बी का हिस्सा है। इस ग्रुप की अन्य तीन टीमें बांग्लादेश, श्रीलंका और यूएई हैं। एशिया कप कैंपेन में इंडोनेशिया का पहला मैच 31 अगस्त को बांग्लादेश के खिलाफ है, इसके बाद वे 2 सितंबर को श्रीलंका और 4 सितंबर को यूएई का सामना करेंगे। पहली हार टूर्नामेंट में उतरी इंडोनेशिया के प्रदर्शन पर क्रिकेट फैंस की नजर रहेगी। महिला एशिया कप के लिए इंडोनेशिया की टीमः नंदा सकारिनी (कप्तान), काडेक विंडा प्रास्तिनी, रहमावती पंगेस्टुटी, वेसिका रत्ना देवी, राडा रानी, ??देसी वुलंडारी, पुत्री सुवांडेवी, किसी सलीसा कासे, सांग मेप्रियानी, नी काडेक एरियानी, डेर्नी बांगी, दारा अगुंग लक्ष्मी, ली कियाओ, मारिया कोराजोन वोम्बाकी, सोफिया वेलिक।

एंटीगुआ ने बारबाडोस ट्राइडेंट्स को 30 रन से हराया, जोसुआ जेम्स रहे प्लेयर ऑफ द मैच

एंटीगुआ, एजेंसी। कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 का 16वां मुकाबला सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में एंटीगुआ और बारबुडा फाल्कन्सल और बारबाडोस ट्राइडेंट्स के बीच खेला गया। एंटीगुआ ने बारबुडा को 30 रन से हरा दिया। बारबाडोस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। एंटीगुआ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 155 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा 56 रन कप्तान मोईन अली ने बनाए। 37 गेंदों पर खेली गई इस नाबाद पारी में मोईन ने 4 छक्के और 3 चौके लगाए। इसके अलावा, करिमा गोरे ने 27 और आमिर जंगू ने 26 रन बनाए। शमार स्प्रिंगर ने नाबाद 19 रन बनाए। बारबाडोस की तरफ से मुजीब उर रहमान ने 4 ओवर में 32 रन देकर 2 विकेट लिए।

ब्राजील के खिलाफ मैच से पहले विश्वकप खेलने वाली इस टीम से होगा भारत का सामना

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले से पहले भारतीय फुटबॉल टीम 26 सितंबर को 2026 फीफा विश्व कप में खेल चुकी पनामा से भिड़ेगी। पनामा फीफा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यह मुकाबला खालिद जमील की टीम के लिए बड़ी चुनौती होने के साथ ब्राजील और न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबलों की तैयारी का अहम मौका होगा। भारतीय फुटबॉल टीम को ब्राजील के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले एक और बड़ी चुनौती मिल गई है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने मंगलवार को बताया कि भारत 26 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में पनामा की मेजबानी करेगा।

हालांकि, मैच किस मैदान पर खेला जाएगा, इसकी घोषणा बाद में की जाएगी। इस मुकाबले की सबसे बड़ी खासियत यह है कि पनामा 2026 फीफा विश्व कप में हिस्सा ले चुका है। ऐसे में ब्राजील से भिड़ने से ठीक पहले भारतीय टीम को एक और विश्व कप टीम के खिलाफ खुद को परखने का मौका मिलेगा।

फीफा रैंकिंग में 44वें नंबर पर है पनामा – पनामा इस समय फीफा की ताजा रैंकिंग में 44वें स्थान पर है। यानी वह दुनिया की शीर्ष-50 टीमों में शामिल है। भारतीय टीम के लिए यह मुकाबला इसलिए भी अहम होगा क्योंकि खालिद जमील की टीम को मजबूत अंतरराष्ट्रीय विपक्ष के खिलाफ अपनी तैयारी और स्तर को परखने का मौका मिलेगा।

विश्व कप टीमों के खिलाफ लगातार मुकाबले

पनामा के खिलाफ मुकाबला भारत के लिए विश्व कप में खेलने वाली टीमों के खिलाफ प्रस्तावित चार मैचों की शुरुआत करेगा। इसके बाद भारतीय टीम 3 अक्टूबर को ब्राजील से भिड़ेगी। नवंबर में भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ भी दो मुकाबले खेलने हैं। दोनों टीमें 12 और 15 नवंबर को आमने-सामने होंगी। इस तरह भारतीय टीम को इस अवधि में उन टीमों के खिलाफ खेलने का शानदार मौका मिलेगा, जो 2026 विश्व कप का हिस्सा रही हैं।

बीबीएल में ड्राफ्ट सिस्टम खत्म, अब खिलाड़ियों को होगा और फायदा

सिडनी, एजेंसी। बिग बैश लीग (बीबीएल) अनुबंध से जुड़ी रोक गुरुवार से हटने के बाद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई और विदेशी खिलाड़ियों को अधिक राशि मिलेगी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स एसोसिएशन के साथ महीनों की बातचीत और क्लबों से मिले फीडबैक के बाद क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने आखिरकार डब्ल्यूबीबीएल सीजन शुरू होने से छह सप्ताह पहले अनुबंध से जुड़े नए नियम घोषित कर दिए। नए नियमों के तहत विदेशी खिलाड़ियों के लिए ड्राफ्टा व्यवस्था को खत्म कर दिया गया है और बड़े घरेलू खिलाड़ियों को ज्यादा पैसे देने के मकसद से जरूरी बड़े घरेलू खिलाड़ियों की संख्या कम कर दी गई है। क्लबों को विदेशी खिलाड़ियों को साइन न करने का विकल्प भी दिया गया है। यह रोक गुरुवार सुबह नौ बजे हट जाएगी और इससे बेन स्टोक्स और फिन एलन जैसे खिलाड़ियों के लिए बीबीएल क्लबों के साथ सीधे रिकॉर्ड अनुबंध साइन करने का रास्ता खुल जाएगा। साथ ही मेलबर्न रेनेगेड्स छोड़ने के बाद ऑस्ट्रेलिया के लेग-स्पिनर एडम जम्पा को भी आखिरकार कोई क्लब मिल सकता है। ऑस्ट्रेलिया के टी-20 विकेटकीपर जॉश इंग्लिश को भी सैद्धांतिक रूप से फायदा हो सकता है, क्योंकि पर्थ स्कॉर्चर्स के साथ उनका अनुबंध समाप्त हो गया है, हालांकि, टेस्ट ड्यूटी की वजह से हो सकता है कि वह आने वाले बीबीएल के किसी भी हिस्से के लिए उपलब्ध न हों, जिससे आने वाले सीजन के लिए बड़ा कॉन्ट्रैक्ट पाने की उनकी संभावना बेहद कम हो जाती है। ऑस्ट्रेलिया के कई बड़े बीबीएल खिलाड़ी और कई क्लब लंबे समय से विदेशी खिलाड़ियों के लिए बने 'ड्राफ्ट' सिस्टम से परेशान थे। इस सिस्टम की वजह से कई बार कम मशहूर विदेशी खिलाड़ियों को ड्राफ्ट के नियमों के कारण सबसे अच्छे लोकल खिलाड़ियों से कहीं ज्यादा पैसे मिल जाते थे। डब्ल्यूबीबीएल में भी यही नियम लागू होंगे। विदेशी खिलाड़ियों के लिए कोई न्यूनतम संख्या तय नहीं होगी, 15 खिलाड़ियों की टीम में तीन 'मार्की' खिलाड़ी होंगे जिनका वेतन अधिक होगा। बीबीएल के बॉस एलिस्टर डॉब्सन ने बताया, 'खिलाड़ियों का बाजार लगातार बदल रहा है और बीबीएल और डब्ल्यूबीबीएल जरूरत के हिसाब से बदलाव करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। क्लबों के पास अलग-अलग खिलाड़ियों की वैल्यू और उनके घरेलू या विदेशी होने के आधार पर अपना आकलन करने की आजादी होना जरूरी है, और आखिरकार बात यही है कि क्लबों को अपनी टीम को लेकर आजादी मिले। इसके बावजूद हमें उम्मीद है कि हमारी लीग में बेहतरीन विदेशी खिलाड़ी आएंगे क्योंकि वे हर टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है: रोजर फेडरर

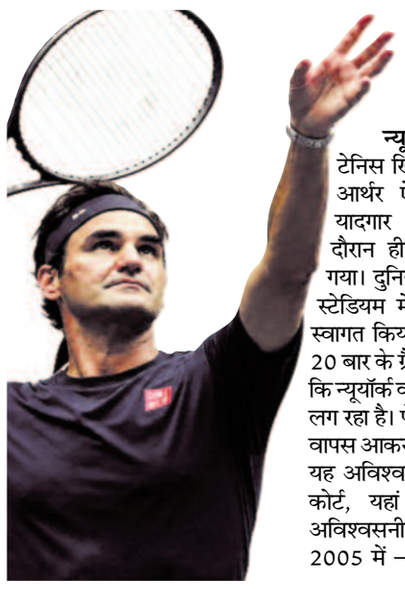

न्यूयॉर्क, एजेंसी। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर का आर्थर ऐश स्टेडियम में एक यादगार एग्जिबिशन नाइट के दौरान हीरो जैसा स्वागत किया गया। दुनिया के सबसे बड़े टेनिस स्टेडियम में घुसते ही तालियों से स्वागत किया गया। इस अवसर पर 20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा कि न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। फेडरर ने कहा, 'न्यूयॉर्क वापस आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह अविश्वसनीय है। मेरे पास इस कोर्ट, यहां के फैंस, शहर की अविश्वसनीय यादें हैं। 2004, 2005 में – यहीं से सब कुछ शुरू हुआ, यहां की जीतों के साथ न्यूयॉर्क के लिए मेरा प्यार। ' फेडरर ने कहा, 'मुझे पहले दिन से ही इस शहर और इस कोर्ट से प्यार हो गया था। ' पूर्व खिलाड़ी ने 2004-2008 तक लगातार पांच यूएस ओपन जीते और टूर्नामेंट और शहर के साथ अपने खास कनेक्शन के बारे में बात की।

स्विस खिलाड़ी ने आर्थर ऐश स्टेडियम के सेंटर कोर्ट पर अपनी पहली मौजूदगी को याद किया, जो 2001 में अगासी के खिलाफ थी। फेडरर वह मुकाबला सीधे सेटों में हार गए थे। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि सेंटर कोर्ट पर मेरा पहला मुकाबला आंद्रे के खिलाफ 2001 में था। उन्होंने मुझे 6-1, 6-2, 6-4 से हराया। मेरे पास कोई शॉट नहीं था। मैं ऐसा था, 'ठीक है, इतना आसान नहीं है, इतना तेज नहीं है, रोजर'। स्टेडियम के वीडियो बोर्ड पर एक्टर मैथ्यू मैककोनाघी का नैरेट किया हुआ एक हाइप वीडियो दिखाया गया, और फैशन आइकन एना विंटोर ने रॉडिक के खिलाफ फेडरर के एकल मैच से पहले सिक्का उछाला। सेरेना विलियम्स, फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, कैस्पर रूड और एलेक्जेंड्रा एला समेत कई मौजूदा और पुराने टेनिस स्टार भी मौजूद थे। फेडरर की यूएस ओपन में वापसी उनके पोस्ट-प्लेइंग करियर में एक और बड़ी उपलब्धि से कुछ दिन पहले हुई है। इस महीने की शुरुआत में अपना 45वां जन्मदिन मनाने वाले स्विस खिलाड़ी को शनिवार, 29 अगस्त को इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया जाएगा। आंद्रे अगासी ने कहा, 'यह कितना कूल है कि यह बंदा इस साल हॉल ऑफ फेम में जा रहा है? बहुत बढ़िया, रोजर। मैं बहुत उत्साहित हूं। मुझे कहना होगा – मुझे लगता है कि मैं पहला इंसान था जिसे पता चला कि वह हॉल ऑफ फेम में जाने वाला है। जब उसने अपना 19वां स्लैम जीता, तो मुझे लगा, 'हां, वह कर सकता है'। उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि 20वां गैर-जरूरी (हंसते हुए) था। फिर भी, मैं सच में बहुत उत्साहित हूं क्योंकि इससे बाकी सभी लोग जो मुश्किल से अंदर जाने का तरीका ढूंढ पाए हैं, अपने बारे में बहुत बेहतर महसूस करते हैं। रॉडिक ने भी फेडरर के साथ अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा, 'हमने बहुत खेला और उसने मुझे बहुत हराया। लेकिन हम हमेशा अपने करियर के बीच में दोस्ती बनाए रखने में कामयाब रहे और यह अब तक चली है और उम्मीद है कि हमेशा रहेगी। फेडरर ने 2022 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। आखिरी बार फेडरर ने 2019 में यूएस ओपन खेला था।

कोलंबो टेस्ट में छा गए सोनल दिनूषा, जड़ा ऐतिहासिक शतक

बनाया सनत जयसूर्या- महेला जयवर्धने वाला महारिकॉर्ड

श्रीलंका बनाम भारत

कोलंबो, एजेंसी। भारत के खिलाफ श्रीलंका के युवा बल्लेबाज सोनल दिनूषा का शानदार प्रदर्शन जारी है. 25 साल के दिनूषा ने कोलंबो टेस्ट की दूसरी पारी में शतक जड़कर कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए. दिनूषा ने इस मुकाबले में 103 रनों की पारी खेली. उनकी पारी की बदौलत श्रीलंका ने 290 रनों का स्कोर बनाया, हालांकि दिनूषा अपनी टीम को फॉलोऑन से नहीं बचा सके, जिसके लिए श्रीलंका को 304 रनों का स्कोर बनाना था. भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 503-9 रन बनाकर घोषित की. कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में सोनल दिनूषा ने एक बार फिर भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली. चौथे दिन यानी बुधवार (26 अगस्त) को दिनूषा ने 147 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. यह इस सीरीज में दिनूषा का दूसरा शतक है. इससे पहले गॉल में खेले गए पहले टेस्ट में उन्होंने एक पारी में 100 रन बनाए थे, जबकि दूसरी पारी में 84 रन जड़े थे. अब कोलंबो में शतक के साथ उनका मौजूदा सीरीज में स्कोर 100, 84 और 103 हो गया है.

जयसूर्या और जयवर्द्धने वाले क्लब में एंट्री – सोनल दिनूषा अब भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट मैचों में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाजों की खास सूची में शामिल हो गए हैं. इस सूची में सनथ जयसूर्या और महेला जयवर्द्धने जैसे दिग्गज भी मौजूद हैं. 25 साल के सोनल भारतीय ऑफ स्पनिर सारांश जैन की गेंद पर आउट हुए, उनको केएल राहुल ने आउट किया.

भारत के खिलाफ लगातार टेस्ट में शतक लगाने वाले श्रीलंकाई बल्लेबाज

- अरविंद डी सिल्वा – 3 बार
- कुमार संगकारा – 3 बार
- सनथ जयसूर्या – 2 बार
- महेला जयवर्धने – 2 बार
- थरंगा परानाविताना – 2 बार
- एंजेलो मैथ्यूज – 2 बार
- सोनल दिनूषा – 2 बार

प्रसिद्ध कृष्णा की गेंद पर पूरा किया शतक दिनूषा

दिनूषा ने प्रसिद्ध कृष्णा की गें द पर चौका लगाकर अपना शतक पूरा किया. गें द छोटी और ऑ फ स्टंप के बाहर थी, जिस पर उन्हों ने शानदार पुल शॉट खेला. गें द हवा में जरूर गई , ले किन आसानी से इनफील्ड को पार करते हु ए बाउं ड्री के बाहर पहुंच गई . शतक पू रा होने के बाद दिनू षा ने बल्ले को चू मा, हेलमेट उतारा और दर्श कों का अभिवादन स्वीकार किया. खास बात यह रही कि इस सीरीज में उनकी यह एक और लगभग बे दाग पारी रही. दोनों टीमों में दे वदा पडिकल ने उनसे ज्यादा रन बनाए हैं , ले किन दिनू षा की बल्ले बाजी पर नियं त्रण ने उन्हें इस सीरीज के सबसे प्रभावशाली बल्ले बाजों में शामिल कर दिया है .

भारत के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में कई शतक

- 2 – एवर्टन वीक्स (वेस्टइंडीज, 1948)
- 2 – गारफील्ड सोबर्स (वेस्टइंडीज, 1958)
- 2 – ज़हीर अब्बास (पाकिस्तान, 1978)
- 2 – दुलीप मेंडिस (श्रीलंका, 1982)
- 2 – रॉबिन स्मिथ (इंग्लैंड, 1990)
- 2 – गैरी कर्स्टन (साउथ अफ्रीका, 1996)
- 2 – जेसी राइडर (न्यूजीलैंड, 2009)
- 2 – सोनल दिनुषा (श्रीलंका, 2026)

श्रीलंका फॉलोऑन के बाद भारत से 16 रन आगे, स्कोर-229/6: पसिंदु ने 92 रन बनाए; सुथार को दो विकेट, बारिश से मैच बाधित

भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट में फॉलोऑन खेल रही श्रीलंका ने दूसरी पारी में 229/6 रन बनाए हैं। टीम ने भारत की पहली पारी के स्कोर से 16 रन की बढ़त हासिल कर ली है। सोनल दिनूषा 7 और केशरा नुवनथा 3 रन पर नाबाद हैं। चौथे दिन बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। पसिंदु सोरियाबंडारा 92 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मानव सुथार ने पवेलियन भेजा। सुथार ने कप्तान धनंजय डी सिल्वा को भी 23 रन पर आउट किया। इससे पहले निरोशन डिकवेला 6 रन पर सारांश जैन, कमिंदु मेंडिस 55 रन पर प्रसिद्ध कृष्णा, कमिल मिशारा 32 रन पर रवींद्र जडेजा और लाहिरू उदारा 3 रन पर मोहम्मद सिराज की बॉल पर आउट हुए।